CNEWS मिटी चीफ

मिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-324
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 26 फरवरी 2024

आज का विचार

जीने का सबसे बड़ा गौरव कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठने में है।
-नेल्सन मंडेला

पेज-04

अमित शाह ने कहा- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को BJP में शामिल कराओ, उनको जोड़ेंगे तो वे आपके अधिकार नहीं लेंगे

ग्वालियर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ग्वालियर-चंबल अंचल में लोकसभा की तैयारी को लेकर अहम बैठक की। इस दौरान बैठक में अमित शाह ने कहा कि हर बूथ को कांग्रेस मुक्त बूथ बनाना है। कांग्रेस अब बची नहीं है, इसलिए उनका हर कार्यकर्ता निराश और हताश है। ऐसे कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम किया जाए। शाह ने चुटकी लेते हुए कहा कि आप उनको जोड़ेंगे तो वे आपके अधिकार नहीं लेंगे। आप पार्टी में सालों से काम कर रहे हैं, वे यहां आकर कुछ नहीं लेंगे। बड़े कांग्रेस नेताओं की जिम्मेदारी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़िए। उन्होंने कहा कि इस बार के लोकसभा चुनाव पर दुनिया की नजर है, हमने पिछले दस साल में देश को सुरक्षित भी किया है। वहीं, बैठक में अमित शाह ने कहा है कि बूथ लेवल के कांग्रेस के कार्यक्रताओं को तोड़कर भाजपा में शामिल कराओ, ताकि वहां बस्ता न उठाने वाला न मिले। आप लोग इसकी चिंता मत करो। हमारी पार्टी का हाजमा बहुत अच्छा है, सब कुछ पचाया जा सकता है। वहीं, बैठक के दौरान अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से पूछा कि ऐसे कितने लोग हैं, जो 15-15 साल से पार्टी में काम कर रहे हैं तो कुछ लोगों ने हाथ उठाया।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि इतने साल में आपको हम कुछ नहीं दे पाए तो कांग्रेस से आने वाले नेताओं को क्या मिलेगा। इसलिए आप चिंता न करें, आप एक पार्टी के ईमानदार नेता हैं और आपको पार्टी हमेशा आगे रखेगी। वहीं, बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान अमित शाह ने चारों लोकसभा कलस्टर प्रभारी को एक-एक करके पूछा, आपके कलस्टर में कितने सेक्टर हैं और कितने लोग काम करते हैं तो इसका जवाब कोई नहीं दे पाया। उन्होंने पार्टी के निर्धारित 24 बिंदुओं पर हर बूथ पर फोकस करने को कहा, जिनमें नव मतदाता सम्मेलन करना, दिव्यांग और बुजुर्गों से संपर्क, स्व सहायता समूहों की बैठक और दीवार लेखन। उन्होंने नव मतदाताओं पर सबसे ज्यादा फोकस करने की बात कही। शाह ने कहा, नए वोटर, दिव्यांग और बुजुर्ग हमारे फिक्स वोटर हैं और हमें उन पर ध्यान देना होगा। बूथ को इकाई मानेंगे तो हमें प्रचंड बहुमत मिलेगा। बता दें, लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मध्यप्रदेश में भाजपा ने अपनी संगठनात्मक पकड़ मजबूत करना शुरू कर दिया है। अमित शाह ने ग्वालियर में ग्वालियर-चंबल क्लस्टर की चार लोकसभा सीट (ग्वालियर, भिंड, मुरैना, गुना) के पदाधिकारियों, प्रबंध समिति, कोर समिति, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, संगठन प्रभारी, जिला प्रभारियों सहित हर लोकसभा क्षेत्र से 100 के हिसाब से लगभग 400 नेता-कार्यकर्ताओं से संवाद किया। गृहमंत्री शाह शहर में ढाई घंटे रुके। इस दौरान शहर हाई सिक्युरिटी जोन में बदल गया और दो हजार जवान व अफसर सुरक्षा की कमान संभाले रहे।

ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा पर रोक नहीं....

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका, तलगृह में जारी रहेगी पूजा

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी के तलगृह में पूजा के अधिकार को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया। हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में व्यास जी तलगृह में पूजा की अनुमति संबंधित जिला जज के फैसले को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी। मतलब, तलगृह में पूजा जारी रहेगी। अब मुस्लिम पक्ष के पास सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने का रास्ता खुला है। मुस्लिम पक्ष ने जिला जज के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 15 फरवरी को सुनवाई पूरी कर जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था इलाहाबाद हाई कोर्ट अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से दाखिल प्रथम अपीलों पर यह फैसला सुनाया। इससे पहले कोर्ट ने दोनों पक्षों की लंबी बहस के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। बता दें, 1993 तक यहां पूजा होती थी, लेकिन तब तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार ने इसे रोक दिया। अब बीती 31 जनवरी को 31 साल बाद वाराणसी जिला जज ने पूजा की अनुमति दीउसी रात को ताबड़तोड़ व्यवस्था की गई और 1 फरवरी से पूजा शुरू हो गई। मुस्लिम पक्ष ने इसके खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करने को कहा, जिसका फैसला अब सामने आया है।

मध्य प्रदेश के इन 33 स्टेशनों का होगा कायाकल्प, फ्री वाईफाई से रूफ प्लाजा तक, मिलेगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

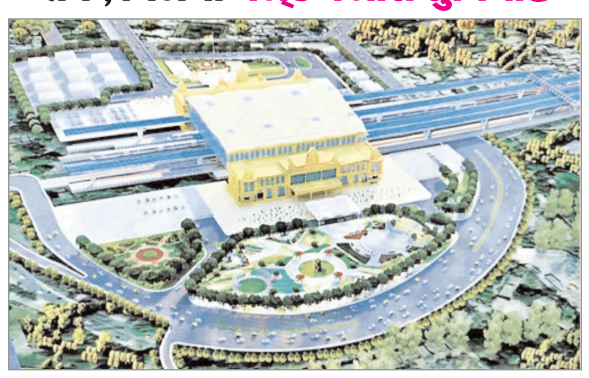

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 41 हजार करोड़ रुपये की लागत से देशभर के 554 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प की आधारशिला रखेंगे इस योजना के तहत मध्य प्रदेश के 33 रेलवे स्टेशनों का भी कायाकल्प होना है। इसके साथ ही प्रदेश में 146 रोड ओवर ब्रिज और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा बता दे कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाया जाना है। जिसमें वेटिंग हाल, फ्री वाई फाई, कियोस्क जैसी सुविधाओं को शामिल किया गया है। इस योजना में देश के 1275 स्टेशन का चयन किया गया है। इन सभी सुविधाओं के लिए मास्टर प्लान तैयार कर अलग-अलग चरणों में इसका विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक स्टेशन एक उत्पाद जैसी योजनाएं भी बनाई जाएगी। यात्री सुविधाओं के साथ ही इस योजना के तहत रेलवे स्टेशन के इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बदलाव लिया जाएगा और इसे दिव्यांगों और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा।

द्वारका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात के दौरे पर रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने द्वारकाधीश मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही समुद्र में डूबी प्राचीन द्वारका नगरी के भी दर्शन किए। द्वारका नगरी के दर्शन के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह सिर्फ समुद्र में एक डुबकी नहीं थी बल्कि समय यात्रा थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्यपानी में डूबी द्वारका नगरी में प्रार्थना करना आलौकिक अनुभव रहा। मुझे आध्यात्मिक वैभव और शाश्वत भक्ति के एक प्राचीन युग से जुड़ाव महसूस हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा द्वारका नगरी के दर्शन से भारत की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक जड़ों का दुर्लभ और गहरा संबंध अनुभव हुआ। द्वारका नगरी भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी हुई है और कभी भव्यता और समृद्धि का केंद्र थी। प्रधानमंत्री ने कहा यह सिर्फ पानी में एक डुबकी ही नहीं थी बल्कि समय यात्रा थी, जो नगरी के गौरवशाली अतीत और हिंदू धर्म के सबसे प्रतिष्ठित देवताओं में से एक के साथ इसके जुड़ाव को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने आस्था के तहत द्वारका नगरी को मोर पंख भी अर्पित किए।

जीतू पटवारी ने ष्टरूमोहन यादव से पूछे तीन सवाल, बोले- सरकार ने कितने नेताओं की जांच बंद करने के आदेश दिए

भोपाल। लोकसभा चुनाव की तारीखों के पास आने के साथ-साथ प्रदेश में सियासी पाराभी चढ़ता जा रहा है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश भाजपा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर निशाना साधा है। पटवारी ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए पूछा कि मध्यप्रदेश में स्थाई लोकायुक्त की नियुक्ति कब होगी? सरकार ने कितने नेताओं के खिलाफ लोकायुक्त जांच बंद करने के आदेश दिए हैं? प्रदेश में आरटीओ के 16 बैरियर पर हर महीने 230 करोड रुपए से ज्यादा की वसूली हो रही है? लूट के जिम्मेदारों तक लोकायुक्त की पहुंच कब होगी? उन्होंने आगे लिखा कि तीनों ही सवालों को लेकर @BJPyMP सरकार लोकसभा चुनाव के पूर्व श्वेत-पत्र जारी करे! भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोपों को लेकर यदि अभी भी लापरवाही बरती गई, तो यह मान लिया जाएगा कि @BJPyIndia पूरी तरह से भ्रष्टाचार को पोषित, संरक्षित और सुरक्षित करती है!

नेताओं से बोले कमलनाथ, राहुल गांधी की यात्रा को ऐतिहासिक बनाना है, चुनाव के लिए कस लें कमर

भोपाल । बीजेपी में जाने की अटकलों को खारिज करने के बाद कमलनाथ कांग्रेस में काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं. राहुल गांधी की यात्रा के मध्य प्रदेश पहुंचने से पहले वह तमाम तैयारियों में जुटे हैं. उन्होंने रविवार को पार्टी पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की और न्याय यात्रा को लेकर चर्चा की. इस दौरान उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव पर भी पार्टी नेताओं को तैयारी करने का निर्देश दिया. कमलनाथ ने ऑनलाइन मीटिंग में पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि वे लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस लें. उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता इस बार के चुनाव में बाजी पलटने के लिए तैयार हैं. कमलनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि संगठन जितना मजबूत होगा, जीत उतनी ही बड़ी होगी. मीटिंग में उन्होंने कहा, राहुल जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाना है. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता में यात्रा को लेकर जानकारी दें और बड़ी संख्या में नागरिकों को यात्रा में शामिल करें.

लहसुन की रखवाली के लिए बंदूकधारी गार्ड, सीसीटीवी कैमरे

उज्जैन। अब तक आपने आभूषणों की दुकानों पर या बैंक के बंदूकधारी गार्डों को रखवाली करते हुए देखा होगा। लेकिन क्या खेत में ऐसा नजारा देखा है। आपको भले ही यह सवाल थोड़ा अटपटा लगे लेकिन मध्यप्रदेश में कुछ ऐसा ही हो रहा है। वजह है यहां आसमान छू रहे लहसुन के दाम। प्रदेश में लहसुन की कीमत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि अब किसानों को खेतों में इनकी रखवाली के लिए बंदूकधारी गार्ड और सीसीटीवी कैमरे लगाने पड़ रहे हैं। कई किसानों ने दावा किया है कि प्रदेश में लहसुन की कीमतें रिटेल मार्केट में 400 रुपये किलो पार पहुंच गई हैं, जबकि थोक बाजारों में दर 30,000 रुपये से 35,000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है। जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर, उज्जैन के चिंतामन रोड पर मंगरोला गांव में, सुरक्षा गार्ड और बंदूकधारी किसानों को फसल से भरे खेतों में घूमते देखा गया है। कई संपन्न किसानों ने सीसीटीवी लगाए हैं और मॉनिटर पर अपने खेतों की निगरानी कर रहे हैं। किसान भरत सिंह बैस ने बताया कि चोर कई किसानों की उपज ले गए हैं।

हरियाणा में इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी को रविवार को कुछ लोगों ने गोलियां मार दीं। यह घटना झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में बराही फाटक के पास हुई। एक कार में आए कुछ हमलावरों ने राठी और उनके तीन गनमैनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक इस गोलीबारी में गाड़ी की अगली सीट पर बैठे राठी और उनके तीनों गनमैन घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर अपनी कार में फरार हो गए। घायलों को ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनेलो के मीडिया सेल के इंचार्ज राकेश सिहाग ने नफे सिंह राठी की मौत की पुष्टि कर दी है। राठी के गले और कमर में गोलियां लगी। हमले के वक्त राठी अपनी फॉर्च्यूनर कार में सवार थे जबकि हमलावर आई-20 कार से आए। झज्जर के एसपी अर्पित जैन ने कहा कि इस मामले में क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और स्पेशल टास्क फोर्स को लगा दिया गया है। इस वारदात के पीछे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके करीबी काला जठेड़ी पर शक जताया जा रहा है। शुरुआती जांच में हत्या के पीछे प्रॉपर्टी का विवाद बताया जा रहा है।

केजरीवाल ने श्नष्ठ के 7वें समन भी दरकिनार किया, आज भी पेश होने से इनकार

नई दिल्ली। शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सातवें नोटिस को भी दरकिनार कर दिया है। केजरीवाल ने ईडी को एक बार फिर कोर्ट के फैसले का इंतजार करने की सलाह देते हुए ईडी से सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल ने एक-दो बार नहीं बल्कि सात बार ऐसा किया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली के सीएम और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज ईडी के पास नहीं जाएंगे। मामला कोर्ट में है और अगली सुनवाई 16 मार्च को है। ईडी को रोजाना समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। हम इंडिया गठबंधन नहीं छोड़ेंगे। मोदी सरकार को इस तरह दबाव नहीं बनाना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल को बीते गुरुवार 22 फरवरी को 7वां समन जारी कर दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए 26 फरवरी को पेश होने के लिए कहा था। केजरीवाल पिछले छह समन पर वह ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। आम आदमी पार्टी (आप) शुरुआत से ही ईडी द्वारा अरविंद केजरीवाल को भेजे जा रहे इन नोटिसों को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित बताती रही है। 'आप' के मुताबिक, समन की वैधता का मामला भी अभी कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए उसे अब बार-बार समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। बता दें कि, ईडी द्वारा सातवां समन भेजे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए 'आप' ने कहा था कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हार का बदला लेने के लिए 'भाजपा के प्रवर्तन निदेशालय' (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सातवां गैरकानूनी समन भेजा है। 'आप' की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ में लोकतंत्र को बचाया, उसका बदला लेने के लिए भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर गैरकानूनी समन भेज दिया।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतु प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

दो वर्ष से बंद पड़ी ब्रैकीथेरेपी मशीन, नई मशीन इस वर्ष आना भी मुश्किल

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सरकार हमेशा गंभीर रहने का दिखावा करती है, लेकिन धरातल पर ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता है। कैंसर अस्पताल में पिछले दो वर्ष से ब्रैकीथैरेपी बंद पड़ी है। यह मशीन काफी पुरानी हो गई है और किसी काम की नहीं है। अभी तक यहां नई मशीन नहीं आई पाई है। अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए भोपाल पत्र भी भेजा है। मंजूरी देते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमजीएम मेडिकल कालेज को उक्त राशि देने के निर्देश दिए हैं।नई ब्रैकीथैरपी मशीन की स्थापना के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। इसके लिए दो करोड़ रुपये राशि का अनुदान भारत पेट्रोलियम की और से स्वीकृत भी है, वहीं शेष राशि करीब ढाई करोड़ रुपये शासन को वहन करना है। यदि इस वित्तीय वर्ष में यह मशीन नहीं मिल पाएंगी तो भारत पेट्रोलियम भी इसकी स्वीकृत राशि नहीं दे पाएगा। इसके बाद भी शासन की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है। शासन के इस सुस्त रवैया का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हम कई बार नई मशीन के लिए पत्र लिख चुके हैं। सिर्फ एमजीएम मेडिकल कालेज में थी यह सुविधा प्रदेश के समस्त मेडिकल कालेजों में सिर्फ एमजीएम मेडिकल कालेज में ब्रैकीथैरेपी मशीन का उपयोग किया गया जा रहा था। इससे वर्ष 2004 से कैंसर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। वर्तमान में ब्रैकीथेरेपी मशीन के चालू न होने से इलाज नहीं किया जा रहा है। एईआरबी के नियम अनुसार कोई भी मशीन चलाने के लिए मशीन पूरी तरह से दुरुस्त होना चाहिए और सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा उक्त मशीन का रखरखाव की जिम्मेदारी लेना अनिवार्य है। इससे किसी भी रेडिएशन एक्सीडेंट का खतरा न रहे। सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा लाइफ समाप्ति डिक्लेअर करने के बाद मशीन को उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसी कारण के चलते इस मशीन को बंद कर दिया गया है। मरीजों के लिए आवश्यक है ब्रैकीथेरेपी ब्रैकीथेरेपी एक प्रकार की रेडिएशन थेरेपी है, जिसमें रोगी के अंदर एक उपकरण (कैथेटर/इम्प्लांट) लगाया जाता है। यह उपकरण रेडियोएक्टिव पदार्थों को अपने पास की कैंसर कोशिकाओं तक पहुंचाता है और उन्हें नष्ट कर देता है। इस तरीके से कैंसर कोशिकाओं को मारने या उन्हें बढ़ने से रोकने के लिए शरीर के सटीक क्षेत्रों में रेडिएशन की डोज दी जाती है। इस थेरेपी का उपयोग अक्सर सिर और गर्दन, स्तन, सर्विक्स, प्रोस्टेट, आंख और हाथ-पैर के कोमल ऊतक सार्कोमा के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है।

वारदातें बढ़ीं तो रात में इंदौर की सड़क पर उतरे पुलिस कमिश्नर

समय... रविवार रात 10.45 बजे। पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता रीगल तिराहे पर पहुंचे। इस दौरान पुलिस वागुप्ता ने मीडिया से कहा कि आज सभी डीसीपी गश्त पर हैं। चारों जोन में एक साथ गश्त चल रही है। डीसीपी अपने नेतृत्व में क्षेत्रों में जांच करवा रहे हैं। साथ ही हम लोग गश्त का जायजा लेने पहुंच रहे हैं। गश्त में कुछ बिंदुओं पर ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस बल जांच में व्यस्त है। इसमें कोर्ट और आफिस स्टाफ भी शामिल है। संपत्ति, ठगी, डकैती और चोरी संबंधी अपराधों को ध्यान में रखते हुए गश्त चल रही है। ग्रामीण व शहरी इलाकों में उतरे इसके अलावा शहर में आने के कौन-कौन से रास्ते हैं, उनका पता लगाया जा रहा है। हमारी टीमें ग्रामीण इलाकों और जिलों में भी हैं। शहर के बाहरी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी सीसीटीवी कैमरे को लेकर वृहद अभियान चलाने की आवश्यकता है, जिसे आवश्यक रूप से चलाया जाएगा। शासकीय कैमरों के अलावा जनसहयोग से अधिक से अधिक प्राइवेट कैमरे भी लगाए जाएंगे। बता दें कि देर रात चल रही जांच में वाहनों को रोककर ढंग से जांच की जा रही थी। संदिग्ध लगने पर व्यक्तियों के बैग और वाहनों की डिक्की की भी जांच की गई। जांच के दौरान बाइक की सीट खुलवाकर कमिश्नर ने खुद जांच की। इस दौरान एक युवक के पास छोटा चाकू भी मिला। इस पर पुलिस वालों ने उसका नाम पता नोट कर समझाइश देकर जाने दिया। हनों की जांच कर रही थी। उन्होंने भी वाहनों की जांच की। यह कवायद शहर में बढ़ती चोरी, लूटपाट और डकैती की घटनाओं को लेकर थी।

वीर सावरकर की प्रतिमा पर होगी पुष्पांजलि सभा, पंच कल्याणक महोत्सव में होगी मेहंदी रस्म

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के आयोजन 26 फरवरी को होंगे। इसमें पंचकल्याणक के पात्रों को मेहंदी लगाने की रस्म होगी। इसके साथ ही वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही व्याख्यान भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही भागवत कथा के आयोजन में विभिन्न उत्सव मनाए जाएंगे।- आज वीर सावरकर की पुण्यतिथि है तो आप भी मराठी समाज की पहल पर सुबह 8 बजे जंजीरवाला चौराहा पहुंचकर सावरकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर सकते हैं। यदि शाम 7.30 बजे आप राजेंद्र नगर स्थित टंकी हाल पहुंचेंगे तो वहां 'स्वतंत्रता संग्राम के दो उपेक्षित महानायक वीर सावरकर और सुभाषचंद्र बोस' विषय पर होने वाले व्याख्यान से ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। - प्रिंसेस बिजनेस स्काय पार्क के आर्ट पैसेज में इन दिनों चित्रकार रमेश आनंद की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगी हुई है। यदि आप एबी रोड से गुजर रहे हैं तो सुबह 11 बजे से रात 8 बजे के मध्य इस कला प्रदर्शनी का आनंद ले सकते हैं।

75 प्रतिशत से ज्यादा मजदूर अब भी मुआवजे से दूर

सिटी चीफ इंदौर।

कोर्ट के आदेश के बावजूद हुकमचंद मिल के 75 प्रतिशत से ज्यादा मजदूर मुआवजे के लिए भटक रहे हैं। उन्हें और उनके स्वजन समझ नहीं पा रहे कि जब वर्ष 2017 में उन्हें मुआवजा दिया जा चुका है तो इस बार वर्ष 2024 में क्या दिक्कत आ रही है। मजदूरों की परेशानी यह भी है कि मिल बंद होने के बाद मिल से मिलने वाली वेतन पर्ची को उन्होंने कभी इतना महत्व नहीं दिया जितना जांच समिति दे रही है। मजदूरों से इस बात के सबूत मांगे जा रहे हैं कि वे मिल में काम करते थे। इसके लिए समिति ने उनसे वेतन पर्ची दिखाने को कहा है। अब परेशानी यह है कि 33 वर्ष पहले बंद हो चुकी मिल की वेतन पर्ची मजदूर लाएं तो कहां से। 12 दिसंबर 1991 को जिस दिन हुकमचंद मिल बंद हुआ था उसमें 5895 मजदूर काम करते थे। इन मजदूरों का भविष्य निधि खाता भी था और ये मजदूर उसमें नियमित योगदान देते भी थे। वर्ष 2017 में जब कोर्ट के आदेश के बाद शासन ने मजदूरों के पक्ष में 50 करोड़ रुपये जारी किए थे उस वक्त भी इन्हीं मजदूरों को भुगतान हुआ था जो आज भटक रहे हैं। मजदूर नेता नरेंद्र श्रीवंश के मुताबिक, 5895 मजदूरों में से अब तक सिर्फ 1400 के ही बैंक खाते में पैसा पहुंचा है। शेष तो अब भी दस्तावेज जुटाने में लगे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उन मजदूरों के स्वजन की है जिनकी पत्नी की भी मृत्यु हो चुकी है। इन स्वजन के लिए मजदूर की वेतन पर्ची संभाल पाना आसान नहीं है। बकौल श्रीवंश वर्ष 2017 में हुए भुगतान में इक्का-दुक्का मामलों को छोड़ दें तो भुगतान को लेकर कहीं कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया था। मजदूरों की मांग है कि जिस तरह से और जिस आधार पर वर्ष 2017 में उन्हें भुगतान किया गया था उसी तरह इस बार भी किया जाए।

इकलौते बेटे की आंख दान की, लोडिंग वाहन की टक्कर से हुई थी मौत

सिटी चीफ इंदौर।

शनिवार रात सड़क हादसे में मृत युवक की आंखें दान की गई हैं। माता-पिता ने जैसे ही खबर सुनी बदहवास हो गए। रात में ही तय किया कि इकलौते बेटे की आंखें दान की जाएंगी, ताकि वह किसी और की दुनिया रोशन कर सके।रावजी बाजार थाना क्षेत्र में शनिवार शाम 28 साल के राहुल बाघानी निवासी खातीवाला टैंक की मौत हो गई थी। राहुल के परिवार की रानीपुरा में साबुन की दुकान है। राहुल ट्रांसपोर्ट से बिल्टी लेकर स्कूटर से जा रहे थे। लोहा मंडी ब्रिज पर लोडिंग वाहन से आमने सामने टक्कर मार दी। स्कूटर दूर गिरा और लोडिंग शरीर पर चढ़ गया। काफी देर तक राहुल मौके पर पड़ा रहा और उसकी मौत हो गई। टक्कर मारने वाली गाड़ी को पुलिस ने जब्त कर लिया। शव को अस्पताल भिजवाया गया। राहुल की दो बहनें हैं, जिनकी पिछले महीने ही शादी हुई है।

नहीं आ रहे मूल्यांकनकर्ता, दो दिन में 6 हजार कापी ही चेक हो पाई

सिटी चीफ इंदौर।

इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के साथ ही कापियों का मूल्यांकन कार्य भी शुरू हो चुका है। पहले चरण में 90 हजार कापियां जांची जाना है। मूल्यांकन के लिए जिले से 800 से अधिक शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्यकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया था। लेकिन 10 फीसदी मूल्यांकनकर्ता भी कापी जांचने के लिए नहीं पहुंच रहे है। नतीजा यह निकला कि 22 फरवरी को शुरू हुए मूल्यांकन में अब तक सिर्फ 6 हजार कापियां ही चेक हो पाई है।मालव कन्या उमावि को जिला मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन के लिए करीब 800 शिक्षकों को मूल्यांकनकर्ता बनाया गया है। लेकिन मूल्यांकन के लिए पहले दिन 60 मूल्यांकनकर्ता ही कापियां जांच करने के लिए पहुंचे। दूसरे दिन भी मूल्यांकनकर्ताओं में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। जिस हिसाब से कापियां जांची जा रही है, उससे मूल्यांकन कार्य देरी से पूरा होगा। मूल्यांकन प्रभारी बबीता हायरण ने बताया कि विषयवार कापियां चेक की जा रही है। पहले दिन कापियों की संख्या काफी कम थी, इसलिए 60 मूल्यांकनकर्ताओं को ही बुलाया गया था। अन्य विषयों की कापियों के बंडल खुलते ही मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ा दी जाएगी। जो मूल्यांकनकर्ता जानबूझकर नहीं आ रहे है, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। मूल्यांकन के दौरान

मूल्याकंनकर्ताओं के मोबाइल अलग रखवा लिए जाते है। हर एक कक्ष की सतत निगरानी की जा रही है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मी भी तैनात है। 4 मार्च के बाद बढ़ेंगे मूल्यांकनकर्ता अफसरों के अनुसार जब तक बोर्ड परीक्षाएं चलेगी, तब तक दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक मूल्यांकन होगा। परीक्षा खत्म होने पर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक मूल्यांकन कार्य होगा। हर एक मूल्यांकनकर्ता को प्रतिदिन अधिकतम 45 कापियां जांचना होगी। मूल्यांकन कर्ताओं को कापी जांचने के बदले में 10वीं की प्रति कापी के लिए 15 रुपए और 12वीं में 16 रुपये मिलेंगे।

उज्जैन में रीजनल इंडस्ट्रियल कान्क्लेव में निवेश को जुटेंगे 10 देशों के प्रतिनिधि

सिटी चीफ इंदौर।

उज्जैन में पहली बार होने जा रही रीजनल इंडस्ट्रियल कान्क्लेव में अमेरिका, इजरायल, सिंगापुर सहित 10 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन में देशभर के 400 बड़े उद्योगपति व तीन हजार से छोटे उद्योगपति व व्यवसायी पहुंचेंगे। कान्क्लेव में यूएसए के काउंसिल जनरल माइक हेनकी प्रमुख अतिथि होंगे। कनाडा के जूनियर काउंसिल जनरल भी शामिल होंगे।कान्क्लेव के माध्यम से उज्जैन की विक्रमपुरी औद्योगिक नगरी, देवास सहित आसपास के क्षेत्रों में टेक्सटाइल, डेयरी, फूड प्रोसेसिंग, एनर्जी, कृषि, धार्मिक पर्यटन और फार्मा उद्योग के तहत मेडिकल उपकरण निर्माण वाली कंपनियों के निवेश की संभावना जताई जा रही है। यह भी कवायद की जाएगी कि उज्जैन के अलावा प्रदेश के अन्य शहरों में उद्योगपति निवेश कर सके। इस आयोजन में आने वाले उद्योगपतियों ने प्रदेश में फिलहाल एक लाख करोड़ रुपये निवेश करने में रुचि दिखाई है। आयोजन में 100 से अधिक उद्योगपतियों को जमीन आवंटित

की जाएगी। इनके माध्यम से प्रदेश में करीब 20 हजार करोड़ का निवेश होने की संभावना है। इस आयोजन में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव रीवा, ग्वालियर सहित प्रदेश के 23 अन्य स्थानों पर औद्योगिक इकाइयों, क्लस्टर का लोकार्पण और भूमिभूजन वर्चुअली करेंगे। इस आयोजन के दौरान दो दिन में दो हजार बायर-सेलर मीट होना संभावित है। यह अब तक की सबसे बड़ी बैठक होगी। पिछली बार इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इस तरह की 1500 बैठकें हुई थीं। आयोजन में ख्यात कलाकार मुकेश खन्ना भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के साथ भोज में शामिल होंगे 100 प्रमुख अतिथि इस आयोजन में आने वाले 100 प्रमुख अतिथि शासकीय उज्जैन इंजीनियर कालेज के मैदान होने वाले मुख्य आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के साथ विशेष भोज में शामिल होंगे। उज्जैन के जंतर-मंतर पर पर मालवी तरीके से आयोजित रात्रिभोज में विदेश से आए प्रतिनिधियों के सहित 300 प्रमुख अतिथि शामिल होंगे।

इंदौर के 'लंदन विलाज' डकैती में आलीराजपुर के सोमला गिरोह की तलाश

सिटी चीफ इंदौर।

लंदन विलाज टाउनशिप में डकैती में पुलिस ने एक गिरोह को चिह्नित किया है। सरगना आठ महीने पूर्व राइफल लूटने के मामले में जमानत पर छूटा है। उसने दोबारा गिरोह बनाकर वारदात की और फरार हो गया। चार जिलों की पुलिस डकैतों के ठिकानों पर छापे मार रही है।इंडियन आइल कार्पोरेशन (आइओसी) के मैनेजर पुष्पेंद्रसिंह, आकांक्षा के बेडरूम से मिले सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को अहम सुराग मिला। डकैतों की चाल देख और भाषा सुनकर मुखबिर ने आरोपित सोमला (बड़ी कदवाल) की पहचान की। पुलिस ने शनिवार देर रात सोमला के घर छापा मारा लेकिन वह नहीं मिला। संदेहियों को हिरासत में लिया तो पता चला उसके गिरोह में आकेश उर्फ आकाश बघेल, कलम थोगू और राजूसिंह शामिल हैं। सोमला को पिछले वर्ष जुलाई में लूट के प्रकरण में महू कोर्ट से जमानत मिली थी। उसने जेल में ही कुछ अन्य बदमाशों का गिरोह बनाया और वारदात शुरू की। **30 हजार का इनाम घोषित** पुलिस को जानकारी मिली कि सोमला ने लंदन विलाज में डकैती के पूर्व अन्य जगहों पर भी वारदात की है। हालांकि पुलिस ने कुछ मामलों में सिर्फ चोरी का केस दर्ज कर मामला दबा दिया था। सोमला के साथी कमल की बड़गोंदा पुलिस को भी तलाश है। उसकी गिरफ्तारी पर ग्रामीण आइजी 20 हजार रुपये का इनाम घोषित कर चुके हैं। डकैती में शनिवार को पुलिस आयुक्त की तरफ से 10 हजार रुपये के इनाम की घोषणा हो चुकी है। सोमला बघेल निवासी बड़ी कदवाल (आलीराजपुर) खतरनाक अपराधी है।

अधूरे सपने को पूरा करने की सार्थक कोशिश दिला रही बेहतर रोजगार और पहचान

सिटी चीफ इंदौर।

इस शहर को केवल इसलिए ही एजुकेशन हब नहीं कहा जाता कि यहां देश के नामी विश्वविद्यालय या आइआइएम, आइआइटी हैं। इस शहर को एजुकेशन हब का दर्जा दिलाने में उन युवाओं की कोशिश भी शामिल है जो दूसरों के सपनों को साकार करने के लिए उन्हें मनचाही शिक्षा का अधिकार भी दे रहे हैं। यही नहीं ऐसे युवाओं को वे रोजगार भी दिला रहे हैं।शहर के राजमोहल्ला क्षेत्र के माधोवस्तिका और एसजीएसआइटीएस में सप्ताह के छह दिन ऐसी कक्षा लगती है जहां देश का भविष्य अपने सपनों को आकार दे रहा है। आकार पाने की इस कोशिश को साकार शहर के उन युवाओं की कोशिश कर रही है जिनके मन में सेवा का भाव और भारत को एक बार फिर सोने की चिड़िया बनाने का भाव है। अभावों के आगे समझौता कर चुके युवाओं को दोबारा अपने सपने पूरा करने का हौसला देने का सार्थक प्रयास अंफोबिंस सोशल और एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया जा रहा है। संस्था द्वारा उन युवाओं को साफ्टवेयर प्रोग्रामिंग कोर्स कराया जाता है जो पहले भी इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते थे लेकिन आर्थिक या पारिवारिक समस्या के चलते अन्य विषय पढ़ने पर विवश हो गए। ऐसे में इन युवाओं को एक और अवसर संस्था

ने प्रदान करना शुरू किया और परिणाम यह है कि आज 106 युवा आइटी कंपनी में कार्यरत हैं। चंद युवाओं से शुरू हुआ कारवां, आज सैकड़ों पा रहे प्रशिक्षण संस्था के आयुष राजपूत बताते हैं संस्था द्वारा वर्ष 2016 में यह पहल की गई थी। शुरुआती दौर में कंप्यूटर बेसिक, सी प्लस प्लस, मोबाइल रिपेयरिंग आदि के शार्ट टर्म कोर्स कराए जाते थे। फिर संस्था की संचालक मेघना सेठी और विभा जैन को यह महसूस हुआ कि इस कोशिश के परिणाम बहुत कारगर सिद्ध नहीं हो रहे। वर्ष 2020 में इंफार्मेशन टेक्नोलाजी एक्सीलेंस प्रोग्राम शुरू किया। यह कोर्स एक वर्ष का है। निश्शुल्क कराए जाने वाले इस कोर्स को करने के लिए शुरुआती दौर में कम ही युवा थे लेकिन अब रूझान इतना बढ़ गया है कि 40-40 युवाओं की तीन बैच को यह कोर्स कराया जा रहा है। पहले केवल माधोवस्तिका में ही कोर्स संचालित होता था अब एसजीएसआइटीएस में भी हो रहा है। अभी तक 112 युवा यह कोर्स कर चुके हैं और इनमें से 106 युवा आइटी कंपनी में कार्य भी कर रहे हैं। युवाओं को थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों ही कराए जाते हैं और कोशिश रहती है कि जिन्हें तकनीक का ज्ञान नहीं उन्हें भी तकनीक में दक्ष के समकक्ष लाया जा सके। निश्शुल्क कोर्स और पैकेज लाखों का

आयुष बताते हैं यहां उन युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है जो आइटी क्षेत्र में आना तो चाहते थे लेकिन संबंधित कोर्स नहीं कर सके। फिर चाहे वह कामर्स, आर्ट, साइंस या किसी भी विषय के विद्यार्थी क्यों न हो। यहां प्रवेश लेने के लिए किसी भी विषय में कम से कम सेकंड ईयर तक की पढ़ाई की होना जरूरी है। इसके अलावा उसकी पारिवारिक आय तीन लाख रुपये और उम्र 27 वर्ष से कम होना चाहिए।

आवेदक के फार्म भरने के बाद उसका एप्टीट्यूड टेस्ट लिया जाता है और उसके बाद साक्षात्कार होता है। इसके बाद उसके घर की परिस्थिति भी देखी जाती है। आवेदक द्वारा दी गई जानकारी प्रमाणित होने पर उसे कोर्स कराया जाता है। कोर्स कराने के साथ प्लेसमेंट की सुविधा भी दी जाती है। अच्छी बात है कि युवा अपनी काबिलियत के बल पर प्रशिक्षण के बाद 1.8 लाख से 10 लाख रुपये तक का पैकेज प्राप्त कर रहे हैं।

तकनीक के साथ अन्य ज्ञान भी

एक प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट की तरह ही यहां कक्षा संचालित होती है। युवाओं की उपस्थिति पर भी ध्यान दिया जाता है और छुट्टी केवल रविवार की ही मिलती है। शेष दिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कक्षा संचालित होती है। तकनीकी रूप से इन्हें दक्ष करने पर ध्यान दिया ही जाता है साथ ही कम्यूनिकेशन बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाता है और उन्हें साक्षात्कार देना भी सिखाया जाता है।

नर्मदापुरम, जबलपुर समेत मप्र के इन जिलों में बारिश के आसार, ओले गिरने की भी आशंका

सिटी चीफ भोपाल।

अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों की वजह से बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने के कारण सोमवार से मध्य प्रदेश के कई शहरों में बादल छा सकते हैं। नर्मदापुरम, जबलपुर संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा का सिलसिला भी शुरू होने के आसार हैं। इस दौरान ओले गिरने भी आशंका बनी हुई है। राज्य के अनेक शहरों में अलसुबह से ही मौसम में बदलाव आ गया। ठंड से लोग सिहरते रहे।मंगलवार से नर्मदापुरम, जबलपुर, भोपाल, सागर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में भी बौछारें पड़ने लगेंगी। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, वर्षा का सिलसिला रुक-रुककर तीन दिन तक चल सकता है। बादल बने रहने के कारण रात के तापमान में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन दिन के तापमान में कुछ कमी आएगी।

रात के तापमान में गिरावट

उधर, ऊपर के स्तर पर हवाओं का रुख उत्तरी रहने के कारण रविवार को राजधानी सहित प्रदेश के कई जिलों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश में सबसे कम 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दतिया एवं धार में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, हिमालय के पास बना पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तर प्रदेश पर पहुंच गया है। इसके अतिरिक्त बंगाल की खाड़ी में एक प्रति चक्रवात बना है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ ईरान के आसपास मौजूद है। सोमवार से उत्तर भारत में इसका भी असर दिखने लगेगा।

आज इन जिलों में बारिश संभव

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने का सिलसिला शुरू होने से सोमवार से मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। इसके तहत सोमवार को नर्मदापुरम, जबलपुर संभाग के जिलों में बादल छाने के साथ ही गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा का दौर शुरू हो सकता है।

मंगलवार को भी कई जिलों में बादल

मंगलवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में भी वर्षा होने के आसार हैं। हालांकि इस दौरान इंदौर, उज्जैन संभाग के जिलों में सिर्फ बादल बने रह सकते हैं। मौसम का इस तरह का मिजाज तीन-चार दिन तक बना रह सकता है। 29 फरवरी को भी एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के संकेत मिले हैं।

काम की खबर : भोपाल रेलवे स्टेशन पर क्यूआर कोड स्कैन कर जनरल टिकट बनवाने की सुविधा शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल स्टेशन पर यात्री जनरल (अनारक्षित) टिकट का भुगतान अब क्यूआर कोड से कर सकते हैं। भोपाल रेल मंडल ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत भोपाल स्टेशन के सिंगल यूटीएस काउंटर पर क्यूआर कोड स्कैनिंग डिवाइस लगाई है।इस पहल से यात्रियों को डिजिटल भुगतान की आसान सुविधा मिल रही है। यह कदम डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढ़ावा देगा और कैशलेस लेनदेन में मदद करेगा। भोपाल मंडल पश्चिम मध्य रेलवे का पहला मंडल है, जहां क्यूआर कोड डिवाइस लगाई गई है। यह सुविधा अभी भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म-एक पर स्थित काउंटर पर शुरू की गई है। ताकि यात्रियों के फीडबैक भी लिए जा सकें। फुटकर की समस्या से मिलेगी राहत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि इस सिंगल यूटीएस क्यूआर कोड स्कैनिंग डिवाइस से यात्रियों को तीव्र भुगतान की सुविधा तो मिलेगी ही साथ ही फुटकार आदि की दिक्कतों से भी राहत मिलेगी। इसके लिए यात्री को अपना डेस्टिनेशन स्टेशन बताना होगा। जिसके बाद काउंटर पर मौजूद रेलवे कर्मचारी यात्री का टिकट जनरेट करने के लिए स्टेशन कोड डालकर टिकट के लिए सिस्टम को कमांड देगा, जिसके बाद खिड़की पर लगी स्क्रीन पर क्यूआर कोड जनरेट होगा। यात्री द्वारा इसका पेमेंट होते ही सिस्टम आटोमेटिक टिकट जनरेट कर देगा।

अमित शाह बोले- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में पालिटिक्स आफ परफार्मेंस की स्थापना की

सिटी चीफ भोपाल।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा जैसी कोई दूसरी पार्टी नहीं है। विश्व की 40 प्रतिशत आबादी चुनाव में पहुंच रही है, कई देशों में इस वर्ष चुनाव हो रहे हैं। इस वर्ष 100 करोड़ के मतदाता का संघ इस वर्ष भारत को सत्ता सौपेगा।अमित शाह ने कहा- भाजपा जब से जनसंघ के रूप में बनी है, शुरुआत से ही हमने चुनाव को सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं माना बल्कि लोकतंत्र का उत्सव और जनसंपर्क का जरिया माना है। चुनाव हमारे लिए हमारे सिद्धांतों को जनता तक पहुंचाने का जरिया है। चुनाव हमारे कामों के हिसाब-किताब देने का जरिया है। आप सभी प्रबुद्धजनों की जिम्मेदारी जनमत बनाने की है। समाज में आपके विचारों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है, क्योंकि आपके विचारों को हमारा समाज सुनता है और मानता भी करता है। स्वतंत्र भारत के पश्चात् अधिकतर चुनाव में जातिवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और परिवारवाद केंद्र में रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 10 साल में इन चार बुराईयों को समाप्त कर पालिटिक्स आफ परफार्मेंस की स्थापना की है। अमित शाह ने कहा- देश का जनादेश जातिवाद, तुष्टिकरण, परिवारवाद या भ्रष्टाचार से प्रभावित नहीं होना चाहिए। आज देश में दो खेमे पड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृतव में देशभक्तों का संगठन है तो दूसरी तरफ सात परिवारों का घमंडिया गठबंधन है, जो कि ये मानते हैं कि बड़े परिवार में जन्म लेने वाले ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं। जो केवल अपने परिवार का हित साध सकते हैं वे गरीबों, दलितों, शोषितों, किसानों या मजदूरों का हित नहीं कर सकते। वे भारत को विश्व में सम्मान नहीं दिला सकते हैं। भारत को केवल वही सम्मान दिला सकता है जो अपने जीवन का कण ङ्क कण देश को समर्पित कर सकता है। सर्जिकल स्ट्राइक कर मुंहतोड़ जवाब दिया केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा- कांग्रेस सरकार में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं था जहां भ्रष्टाचार नहीं हुआ हो। कांग्रेस ने आकाश, पाताल, समुद्र, धरती और अंतरिक्ष में भी भ्रष्टाचार किया है। हमारे देश की सीमाएं असुरक्षित थी, आतंकी हमले होते थे। माताएं-बहनें असुरक्षित थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज किसी की हिम्मत नहीं है कि भारत की तरफ आंख उठाकर देख ले, और यदि हिम्मत हुई तो सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये मुंहतोड़ जवाब हमने दिया है। केंद्रीय मंत्री बोले- मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ये पीएम मोदी की गारंटी है कि तीसरे जनादेश के बाद हमारा देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। आज हमारा देश हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसा कोई वर्ग नहीं है जिसका मोदी सरकार में विकास नहीं हो रहा है। मनमोहन सरकार में पालिसी पैरालिसिस था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बन रही नीति देश के विकास में महत्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। मोदी सरकार ने देश में गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने और हीनभावना को खत्म करने का काम किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आपसे आग्रह है कि ऐसी पार्टी चुने जो भविष्य बनाकर उसे पूरा करने का माद्दा भी रखती हो। भाजपा ने जो कहा है, वो करके दिखाया है। हमारी नीतियों में सर्वस्पर्षी और समावेशी नीति है। अभेद सुरक्षा वाले महान भारत का संकल्प है। हमारी नीतियों में भ्रष्टाचार खत्म कर विकसित भारत के निर्माण का ध्येय है। अंग्रेजों के बनाए कानून को खत्म किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज दुनियाभर में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद, उग्रवाद, भ्रष्टाचार, जातिवाद, तुष्टिकरण, परिवारवाद से मुक्ति प्रदान की है। मोदी सरकार में अंग्रेजों के बनाए नियमों और कानून को खत्म किया गया है। हमारा संकल्प था कि इस देश से धारा-370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को स्वतंत्र करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 हटाकर नया इतिहास रचा है। ये मोदी जी की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम है कि जम्मूङ्ककश्मीर में विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है। 10 साल में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें से 5वें नंबर पर आ गई पाकिस्तान या अफगानिस्तान से भारत में आये शरणार्थियों को मोदी सरकार ने सीएए लाकर करोड़ों नागरिकों को नागरिकता देकर स्वतंत्रता के समय भारत सरकार के वादे को पूरा किया है। पीएम मोदी ने तीन तलाक को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को सम्मान प्रदान किया है। पीएम मोदी ने सिर्फ 10 साल में भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर ला दिया। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि ये मोदी जी की गारंटी है... तीसरे टर्म में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा का अनावरण भी किया भोपाल के प्रबुद्धजन सम्मेलन में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल, अमित शाह के साथ मंचासीन थे। इसके पहले शाह ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर के समीप स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री का बड़ा फैसला

उज्जैन शिफ्ट होगा धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय

सिटी चीफ भोपाल।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय अब बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में स्थानांतरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इसको लेकर मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संचालनालय की शिफ्टिंग के जल्द ही आदेश जारी किए जाएंगे। मुख्यालय की शिफ्टिंग के पीछे लोकहित एवं प्रशासकीय कार्य सुविधा के साथ सिंहस्थ की तैयारियों को कारण बताया गया है। यह संचालनालय प्रदेश में बुजुर्गों को तीर्थ दर्शन कराने एवं विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेलों का आयोजन कराता है।बता दें कि प्रत्येक 12 वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन होता है। इस बार वर्ष 2028 में सिंहस्थ का आयोजन होना है। सिंहस्थ के आयोजन में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व संचालनालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में इसका मुख्यालय उज्जैन में शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का संचालनालय सतपुड़ा भवन भोपाल में संचालित हो रहा है।

उज्जैन से ही निर्धारित होंगे धार्मिक आयोजन

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का मुख्यालय उज्जैन में स्थानांतरित करने के साथ ही मुख्यालय के संचालक सहित पूरा स्टाफ उज्जैन में ही बैठेगा और यहीं से प्रदेश के धार्मिक आयोजन निर्धारित किए जाएंगे। इसके अलावा सिंहस्थ की तैयारियों की रूपरेखा यहीं से तय होगी। हालांकि विभाग के प्रमुख सचिव व अन्य स्टाफ भोपाल में ही बैठेगा। मेला प्राधिकरण भी उज्जैन में स्थानांतरित करने पर चल रहा विचार मध्य प्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण भी उज्जैन में स्थानांतरित करने पर विचार चल रहा है। इसको लेकर भी प्रस्ताव बनाया गया है। अगर सहमति बनती है तो धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मुख्यालय के साथ मध्य प्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण को भी उज्जैन में स्थानांतरित किया जा सकेगा।

पेपर लीक से निपटने का नया फार्मूला

हर जिले के लिए अलग होंगे पांचवीं व आठवीं के प्रश्नपत्र

सिटी चीफ भोपाल।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बार पेपर लीक से निपटने के लिए नया फार्मूला तैयार किया है। विभाग ने इस बार हर जिले के लिए अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार किया है, ताकि किसी एक जिले में पेपर लीक होने पर सिर्फ उसी जिले की परीक्षा को निरस्त किया जा सके। यह व्यवस्था इस बार पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा में की गई है।बोर्ड परीक्षा के लिए सख्ती बरती गई है

अगर फार्मूला सफल रहा तो आगे 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में भी अपनाया जाएगा। इस बार पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए विभाग की ओर से काफी सख्ती बरती गई है। वहीं, प्रदेश के 15 फीसद केंद्रों पर उसी दिन प्रश्नपत्रों को फोटो कापी कर विद्यार्थियों में वितरित किया जाएगा। सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र भी उसी स्कूल में ना होकर पांच से 10 किमी दूर कर दिया गया है। इस संबंध में दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। बता दें कि ये परीक्षाएं छह मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होंगी। प्रदेश के सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 24 लाख विद्यार्थी 12 हजार से अधिक परीक्षा केंद्र पर शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं सुबह नौ बजे से दोपहर 11.30 बजे तक चलेंगी। विद्यार्थियों को सुबह आठ बजे से ही परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। भोपाल जिले में 201 केंद्रों पर 78 हजार बच्चे शामिल होंगे। पांचवीं व आठवीं का पहला पेपर प्रथम भाषा-हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू व मराठी का होगा। इस बार हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत भाषा का प्रश्नपत्र एससीईआरटी और एनसीईआरटी दोनों पाठ्यक्रमों के आधार पर तैयार किए गए हैं। प्रथम भाषा के रूप में उर्दू या मराठी का चयन करने पर द्वितीय भाषा अंग्रेजी व अतिरिक्त भाषा के रूप में हिंदी का पेपर देना होगा। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा में हिंदी का पेपर देना अनिवार्य होगा। जिला एवं ब्लाक स्तर पर परीक्षा कंट्रोल रूम की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वार्षिक परीक्षा आयोजन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। इसमें हेल्पलाइन की व्यवस्था भी की जाएगी। इस बार पेपर लीक से बचाने के लिए पांचवीं व आठवीं का प्रश्नपत्र सभी जिलों के लिए अलग-अलग तैयार किया जा रहा है। हर विषय का जिले वार प्रश्नपत्रों का बंडल तैयार किया गया है। वहीं 15 फीसद केंद्रों पर फोटोकापी कराकर उसी दिन प्रश्नपत्र वितरित किया जाएगा।

भोपाल में पत्नी से विवाद के बाद पति ने खुद को आग लगाकर दे दी जान, आग ने फ्लैट को ले लिया था चपेट में

सिटी चीफ भोपाल।

अवधपुरी के बीडीए कालोनी में नक्षत्र अपार्टमेंट के पांचवीं मंजिल के फ्लेट नंबर 502 में रहने वाले एक एनजीओ के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर 48 वर्षीय एस प्रदीप कुमार नायर ने रविवार- सोमवार की दरमियानी रात करीब पौने एक बजे खुद को आग लगाकर जान दे दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह कदम उठाने से पहले उनका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। वह पहली पत्नी से तलाक लेने के बाद दूसरी पत्नी 27 वर्षीय निहारिका के साथ रहते थे। दोनों की शादी को अभी एक साल ही हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। अवधपुरी थाना प्रभारी रोशन लाल भारती ने बताया कि एस प्रदीप कुमार नायर मूलतः त्रिवेंद्रम केरल के रहने वाले थे, करीब एक साल पहले वह भोपाल में एक एनजीओ में काम करते थे।इस दौरान उनकी भोपाल की रहने वाली निहारिका से मुलाकात हुई थी और दोनों ने एक साल पहले प्रेम विवाह कर लिया था। प्रदीप कुमार नायर रात में रायपुर से भोपाल लौटे थे, जहां घर पर उनकी पत्नी नहीं मिली थी कि वह किसी एनजीओ सेमीनार में थे, रात में जब वह घर लौटी तो उनके और पति के बीच में काफी विवाद हुआ। सोसाइटी के लोगों ने बताया कि हादसे से पहले उन्होंने पति-पत्नी के झगड़ने की आवाजें सुनी, संभवतः पुलिस का घटना के पीछे इसे ही कारण मान रही है। टीआइ रोशनलाल भारती ने बताया कि करीब एक बजे डायल 100 को कालोनी के रहवासियों ने इसकी सूचना दी, इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।लोगों की सूचना पर फायर बिग्रेड की चार गाडियां मौके पर पहुंच गई थी, तड़के चार बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

एम्स में रखवाया शव

आग लगाकर जान देने की घटना में आग ने पूरे फ्लैट को चपेट में ले लिया था। आग पर काबू करने के बाद रात में पुलिस फ्लेट के अंदर पहुंची। जहां पर एक कमरे में बुरी तरह जला शव मिला। चेहरा, छाती शरीर का अधिकांश हिस्सा जल चुका है। शव प्रदीप कुमार नायर का बताया गया हैं, मृतक के परिजन केरल के रहने वाले हैं। उनके भोपाल आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। अभी शव को एम्स (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस) अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखवा दिया गया हैं।

गला दबाकर मारने की कोशिश की

रोशनलाल भारती ने बताया कि मृतक की पत्नी निहारिका ने पुलिस को बताया है कि रोहित नगर के एक एनजीओ में काम करती हैं। उनके पति एस प्रदीप नायर रायपुर में पीपुल्स एनजीओ के स्टेट प्रोग्राम मैनेजर के पद पर पदस्थ थे। शनिवार रात को बिना बताए भोपाल आए थे। वह रात में घर पहुंची थी। किसी बात पर दोनों में विवाद जैसे-तैसे मैं खुद को बचाकर फ्लैट से बाहर आ गई। इधर, उनके पति ने फ्लैट के स्टोर रूम में खुद को आग लगा ली। जहां पर एनजीओ से जुड़ी फाइल, दस्तावेज और किताबें रखी थी।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा मार्च के पहले पखवाड़े में

कांग्रेस मार्च के पहले पखवाड़े में लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी। इसे लेकर तैयारी चल रही है। इस बार नए चेहरों को भी मौका दिया जाएगा। चुनाव में भाजपा द्वारा दी गई झूठी गारंटी को आमजन तक ले जाएंगे। प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी जल्द होगा। दो मार्च को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी।इसमें सभी वरिष्ठ नेता, विधायक, कार्यकर्ता और आमजन भाग लेंगे। इसको लेकर सभी तैयारियां की जा चुकी हैं। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा रविवार को लोकसभा चुनाव और भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर बुलाई बैठक में पदाधिकारियों ने कही। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमें अन्याय के विरुद्ध डटकर मुकाबला करना है। बैठक से वर्चुअली जुड़े पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने कहा कि सभी पदाधिकारी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस लें। संगठन जितना मजबूत होगा, जीत उतनी बड़ी होगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में प्रचार-प्रसार करें। दिग्विजय सिंह ने भाजपा सरकार की नीतियों को घेरते हुए कहा कि इससे आमजन त्रस्त है। जीतू पटवारी ने बताया कि जल्द ही नई और युवा कार्यकारिणी घोषित होगी। जो पद पर रहकर काम नहीं करेगा, उसके स्थान पर दूसरों को मौका दिया जाएगा। लगातार हो रहे तबादलों को लेकर उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि चुन-चुनकर अधिकारी बदले जा रहे हैं। मोदी की गारंटी पूरा करने के लिए सरकार मध्य प्रदेश को एक लाख करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दे। वर्तमान वित्तीय प्रविधान से ये पूरी होने वाली नहीं हैं। राम मंदिर के निर्माण और श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी केवल भारतवर्ष नहीं बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड में है। केके मिश्रा ने फिर की त्यागपत्र की पेशकश उधर, मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केके मिश्रा ने फिर त्यागपत्र की पेशकश की है। मैं ईडी, सीबीआइ और न ही आयकर से डरता हूं पर 18 वर्ष से लगातार दायित्व निभा रहा हूं। अब दूसरों को मौका दिया जाए। बैठक में पटवारी ने कहा कि पार्टी विषम परिस्थितियों के दौर से गुजर रही है। जन-जन तक पार्टी की बात पहुंचाने में विभाग अपनी भूमिका निभाए।

संपादकीय

बेहतर अनुपालन की जरूरत

सर्वोच्च न्यायालय ने सुधार का एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार को निर्देश दिया है कि वह वनों की व्यापक 'शब्दकोश परिभाषा' के लिए सन 1996 में सर्वोच्च न्यायालय के ही दो सदस्यीय पीठ की परिभाषा का पालन करे। ताजा निर्णय तीन सदस्यीय पीठ ने वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) में संशोधन के खिलाफ दाखिल की गई कई याचिकाओं पर सुनाया है। उक्त संशोधन 2023 में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किए गए थे। इन संशोधनों के मुताबिक एफसीए केवल अधिसूचित वन क्षेत्र और उस भूमि पर लागू होगा जिसे सरकारी रिकॉर्ड में 'वन' के रूप में परिभाषित किया गया हो। इन संशोधनों की घोषित वजह यह बताई गई थी कि सन 1996 के निर्णय ने एफसीए के प्रावधानों को उन दर्ज किए गए वनों पर लागू किया गया था जिन्हें गैर वन उपयोग के लिए रखा गया था। यह बुनियादी क्षेत्र के मंत्रालयों, खासकर सड़क और राजमार्ग मंत्रालय की लंबे समय से लंबित मांग थी। परंतु संशोधन का विरोध करने वाले याचियों का कहना था कि इसके परिणामस्वरूप लाखों हेक्टेयर वन भूमि का वन के रूप में वर्गीकरण समाप्त हो जाएगा। ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि इन संशोधनों की बदौलत चिड़ियाघर और सफारी वनों के भीतर बनाए जाने का रास्ता निकल आया। इसके परिणामस्वरूप हरियाणा ने अरावली के वनों के बीच एक वन्य पशु सफारी पार्क बनाने की योजना तैयार कर ली। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में यह भी कहा गया कि ऐसी सभी योजनाओं को अदालत की मंजूरी की आवश्यकता होगी। वनों की सन 1996 की परिभाषा की ओर वापस लौटते हुए अदालत ने सरकार से यह भी कहा कि वह देश के हर प्रकार के वन क्षेत्र का रिकॉर्ड तैयार करे। इसका अर्थ यह हुआ कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सन 1996 के अदालती फैसले के तहत गठित विशेषज्ञ समितियों द्वारा पहचाने गए वनों का रिकॉर्ड जमा करना होगा। सरकार के पास ये आंकड़े जमा करने के लिए 15 अप्रैल तक का समय है। यह निर्णय उन कई निर्णयों में से एक है जिसके तहत न्यायपालिका पर्यावरण कानूनों को कमजोर किए जाने को लेकर कुछ संतुलन कायम करना चाह रही है। इन कानूनों को विकास के नाम पर कमजोर किया गया है। एक निर्णय जो सर्वोच्च न्यायालय में अपील के लिए लंबित है, वह है उन कंपनियों को पुरानी तारीख से मंजूरी प्रदान करना जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने के लिए शर्तों का पालन नहीं किया। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले उद्योगों की ऐसी 100 से अधिक परियोजनाओं को जिनमें सीमेंट, कोयला, लोहा और इस्पात, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर आदि शामिल हैं, 2017 के इस प्रावधान के तहत मंजूरी दी गई। इस वर्ष सर्वोच्च न्यायालय ने इन पर प्रतिबंध लगा दिया। इस बीच 2022 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने प्रस्ताव रखा कि उन राजमार्ग, हवाई अड्डों, फिशिंग पोर्ट, ताप बिजली परियोजनाओं आदि के लिए पर्यावरण मंजूरी की आवश्यकता समाप्त कर दी जानी चाहिए जो नियंत्रण रेखा अथवा अंतरराष्ट्रीय सीमा के 100 किलोमीटर के दायरे में हों। बाद में कुछ विपक्षी दलों की असहमति के बाद एक संयुक्त संसदीय समिति ने स्पष्ट किया कि इसमें एकतरफा मंजूरी शामिल नहीं होगी और यह निजी क्षेत्र के लिए नहीं खुला होगा। देश के सीमावर्ती इलाकों की पारिस्थितिकी की संवेदनशीलता को देखते हुए तथा पहाड़ी या तटीय इलाकों के मौसम को देखते हुए इस स्पष्टीकरण से पर्यावरणविदों की चिंताओं को कम करने की संभावना नहीं है। उत्तराखंड के कई नगरों में जमीन धसकना अत्यधिक निर्माण के खतरे की पहचान बना हुआ है। सरकार ने बार-बार सुरक्षा और विकास संबंधी जरूरतों का हवाला देकर पर्यावरण संबंधी चिंताओं की अनदेखी की है। उदाहरण के लिए उसने कहा कि 2023 में एफसीए में संशोधन इसलिए करना पड़ा कि यह कानून जनजातीय समुदायों के लिए स्कूलों की इमारतों, शौचालयों और अन्य सुविधाओं के निर्माण की राह में रोड़ा बन रहा था।

दुनियाः अबू धाबी में हिंदू मंदिर के मायने...
यानी वक्त के साथ उदार हो रहे हैं अरब देश

भारत में पैगंबर मुहम्मद साहब के जीवनकाल में अरब के बाहर विश्व की पहली मस्जिद-चेरामन जुमा मस्जिद का निर्माण वर्ष 629 में केरल के तत्कालीन हिंदू राजा चेरामन पेरुमल भास्करा रविवर्मा और स्थानीय हिंदुओं के सहयोग से कोडुंगल्लूर में हुआ था।अरब देशों ने समयानुरूप वैश्विक स्तर पर स्वयं को उदार, सहिष्णु और आधुनिक बनाने हेतु कदम उठाए हैं । मौजूदा तकनीकी युग में दुनिया छोटी हो रही है और अब कोई भी समाज पुरानी मान्यताओं की जकड़ में रहकर प्रगतिशील सह-अस्तित्व को संभव नहीं बना सकता। गत 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्वामीनारायण मंदिर का भव्य उद्घाटन किया। इसके बाद बहरीन ने भी स्वामीनारायण समाज को हिंदू मंदिर हेतु जमीन आवंटित कर दी। अबू धाबी में नवनिर्मित मंदिर, अरब प्रायद्वीप का कोई पहला मंदिर नहीं है। दुबई में 1958 से हिंदू मंदिर स्थापित है। बहरीन में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित 200 वर्ष पुराना श्रीनाथ मंदिर, तो ओमान में सवा सौ साल पुराना मोतिश्वर मंदिर है। परंतु यूएई के मंदिर पर भारत का एक समूह, जिसमें वाम-उदारवादी भी शामिल है-अयोध्या में पुनर्निर्मित श्रीरामजन्मभूमि मंदिर का संदर्भ देकर भारत को यूएई सहित अन्य अरब देशों से बहुलतावाद-पंथनिरपेक्षता सीखने का सुझाव दे रहा है। यह अपने आप में ही विरोधाभास है कि भारत की तुलना इस्लामी देशों से की जाए।सबसे बड़ी बात है कि यूएई सहित किसी भी अरब देश का ऐसा कोई इतिहास नहीं है, जहां भारत के किसी हिंदू-बौद्ध शासक ने जाकर उन पर हमला किया हो या उनके धर्मस्थलों को ध्वस्त किया हो या फिर जबरन उनके किसी भूखंड पर कब्जा करके अपने धर्मस्थल का निर्माण किया हो। इस पृष्ठभूमि में मध्यकालीन भारत में अरब आक्रांताओं सहित अन्य विदेशी आक्रमणकारियों का क्रूर वृत्तांत, रक्त और सांस्कृतिक संहार से भरा है। इसके असंख्य निशान अब भी प्रत्यक्ष हैं। इसी में से एक राजधानी दिल्ली स्थित कुतुब मीनार परिसर में निर्मित कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा स्थापित तख्ती में स्पष्ट लिखा है कि यह मस्जिद 27 हिंदू-जैन मंदिरों को तोड़कर बनाई गई है। ऐसे सैकड़ों ऐतिहासिक उदाहरण हैं।जबकि भारत में पैगंबर मुहम्मद साहब के जीवनकाल में अरब के बाहर विश्व की पहली मस्जिद-चेरामन जुमा मस्जिद का निर्माण वर्ष 629 में केरल के तत्कालीन हिंदू राजा चेरामन पेरुमल भास्करा रविवर्मा और स्थानीय हिंदुओं के सहयोग से कोडुंगल्लूर में हुआ था। यह इसलिए संभव हुआ, क्योंकि समावेशी भारतीय वैदिक दर्शन न तो काफिर-कुफ्र अवधारणा जैसा असहिष्णु है और न ही संकुचित। भारत पंथनिरपेक्ष है, तो वह संविधान की वजह से ही नहीं, अपितु अपने शाश्वत हिंदू चरित्र और वैदिक परंपराओं के कारण भी। विगत सहस्राब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के जिन क्षेत्रों में 'एक ही ईश्वर सच्चा है, शेष झूठे हैं' रूपी दर्शन का वर्चस्व हुआ, वहां अन्य धर्म के स्थानीय अनुयायी या तो समाप्त हो गए या फिर दोयम दर्जे का जीवन बिताने को विवश हैं। इस भूखंड में बहुलतावाद और लोकतंत्र केवल उन्हीं स्थानों पर जीवित है, जहां आज भी भारतीय सनातन संस्कृति की प्रधानता है। अरब सहित मध्यपूर्व एशिया में एक करोड़ से अधिक भारतीय प्रवासी (गैर-मुस्लिम सहित) बसते हैं। इस भूभाग में जिस देश के जो भी नियम-कानून हैं, वे उनका बिना किसी प्रतिकार के पालन करते हैं। उदाहरणस्वरूप, सऊदी अरब में सार्वजनिक रूप से मूर्ति पूजा या कोई भी गैर-इस्लामी पूजा-अर्चना प्रतिबंधित है। इसे भारतीय हिंदू उसी सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं। क्या कभी विश्व के किसी घोषित इस्लामी या ईसाई देश में किसी हिंदू ने इस प्रकार का भाव प्रचारित किया कि उसकी आस्था, परंपरा और मान्यताओं को स्थानीय कानून द्वारा कुचला जा रहा है? इसके विपरीत भारत, अमेरिका और फ्रांस सहित कई यूरोपीय देशों में एक वर्ग द्वारा वहां के स्थानीय कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतिकार की चर्चा आम रहती है। क्या यह सच नहीं कि भारत में भी एक वर्ग अपनी मजहबी मान्यताओं को भारतीय कानून या संविधान से ऊपर रखने की कोशिश करता है? इसी में से एक वर्ष 1985-86 का शाहबानो मामला है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए प्रगतिशील निर्णय का भड़काऊ नारों के साथ हिंसक विरोध किया गया और इस कट्टरता के समक्ष आत्मसमर्पण करते हुए तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने संसद में अपने प्रचंड बहुमत के बल पर अदालत का फैसला पलट दिया था। वर्ष 2019-20 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध, 2021-22 का कर्नाटक हिजाब प्रकरण और ज्ञानवापी परिसर मामले में नूपुर शर्मा को जान से मारने के फतवे के साथ निरपराध कन्हैयालाल (उदयपुर) और उमेश (अमरावती) की हत्या के मामले भी इसी किस्म की मानसिकता का विस्तार कहे जाएंगे। बड़ा प्रश्न यह भी है कि अरब देशों-विशेषकर यूएई और बहरीन के मुस्लिम शासकों को किस बात ने बहुदेववाद और सह-अस्तित्व को जगह देने के लिए प्रेरित किया? वह भी इस तरह कि वे न केवल मंदिरों के लिए भूमि दान कर रहे हैं, बल्कि मंदिर परियोजनाओं के साथ जुड़ भी रहे हैं। इसका उत्तर अरब प्रायद्वीप के हालिया सामाजिक-राजनीतिक घटनाक्रम में मिल जाता है। इस्लाम का उद्गम स्थल सऊदी अरब अपने युवराज मोहम्मद बिन सलमान के अधीन अब पूरी तरह शरीयत प्रदत्त देश नहीं रह गया है।

वरिष्ठ नागरिकः सेवानिवृत्ति के बाद तनावमुक्त बुढ़ापा चाहिए, इन गलतियों से बचें

सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर जीवनयापन के लिए अलग-अलग तरीके से बचत की जरूरत होती है। इन्हें ऐसे निवेश करें कि इन पर बेहतर रिटर्न मिले। इसे कई भाग में बांट सकते हैं। जैसी जरूरत, वैसा निवेश। हम अक्सर पैसों से जुड़ी गलतियां करते हैं। इन्हें टालकर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सेवानिवृत्ति के बाद जीवन तनावमुक्त हो। कोई भी व्यक्ति अपनी स्थिति के आधार पर सेवानिवृत्ति का प्रबंधन करने के तरीकों का पता लगा सकता है। याद रखें, सेवानिवृत्ति की सबसे सही परिभाषा होती है कि जब किसी व्यक्ति की कोई आय नहीं होती है। यदि पेंशन मिलती है, तो आप भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके पास कुछ ऐसा है जो बहुतों के पास नहीं है। ऐसे तीन अलग-अलग आयु वर्ग हैं जब सेवानिवृत्ति अधिकांश लोगों के लिए प्राथमिकता या चिंता का कारण बन जाती है। पहला चरण 40-60 वर्ष की उम्र का है, जो सेवानिवृत्ति से पहले का चरण है। इसमें व्यक्ति को किसी समय पर योजना बनाने की जरूरत का एहसास होता है और पर्याप्त धन होने या न होने की चिंता होती है। यह वह चरण भी है, जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में कई वित्तीय आकांक्षाएं पूरी करने में कामयाब होता है।?अगर आप नौकरी करते हैं तो संभावना है कि आप कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) का हिस्सा होंगे। इनका उपयोग सेवानिवृत्ति के बाद कर सकते हैं। यदि आप इस आयु वर्ग में हैं, तो उस राशि से कोई समझौता न करें, जो आपके सेवानिवृत्ति के लिए है। यह लक्ष्य पाने के लिए जितना संभव हो, बचत का प्रयास करें। आक्रामक तरीके से जितना संभव हो उतना इक्विटी में निवेश करें, क्योंकि 10-15 वर्षों में इक्विटी के जरिये महंगाई को मात देने व धन सृजन की संभावना अधिक है। दूसरा चरण सेवानिवृत्ति के पहले 10-15 वर्ष हैं। इसमें व्यक्ति को दो सामान्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पहला, आप बहुत तेजी से खर्च करते हैं या आपके पास जो कुछ है उसके प्रति आप अति रूढ़िवादी हैं। दोनों ही आपके विरुद्ध जाते हैं। इस चरण में आपका प्राथमिक उद्देश्य सेवानिवृत्ति की बचत को पूरा करना नहीं है। अपनी रकम में से एक निश्चित राशि का उपयोग करें, जो कुल रकम का चार-पांच फीसदी हो। यह आंकड़ा इस आधार पर निकाला जाता है कि कोई अति रूढ़िवादी व्यक्ति बैंक खाते के ब्याज से कितनी कमाई करेगा। यह आपके पास मौजूद कोष पर एक सुरक्षा प्रदान करेगा। अपना सारा पैसा बैंक में रखने की गलती न करें और ब्याज आय से गुजारा करने की उम्मीद न करें। आपको सेवानिवृत्ति बचत को तीन-चार जगह रखना चाहिए। पहली दो जगह में इतना पैसा होना चाहिए कि आपको अगले पांच-सात वर्षों में अपने नियमित खर्चों के प्रबंधन के लिए इसकी जरूरत होगी। शेष राशि में से 50 फीसदी रकम आपको उन वित्तीय साधनों में रखना चाहिए, जिससे महंगाई को सहन करने के लिए बहुत कम इक्विटी जोखिम हो। शेष 50 फीसदी इक्विटी में निवेश करें, जहां बहुत ज्यादा रिटर्न मिल सके। आपको इसकी चिंता नहीं करनी है कि कितनी रकम बचाने की जरूरत है। आप जितना बचा सकते हैं, उससे ज्यादा बचत की कोशिश करें और इसी लक्ष्य के लिए निवेश करें। इस दौर में आपके अधिकांश वित्तीय लक्ष्य समाप्त हो चुके हैं, इसलिए पूरा ध्यान सेवानिवृत्ति पर होना चाहिए। अपने बच्चों के लिए अत्यधिक बचत करने की गलती न करें और उन्हें स्वयं अपनी देखभाल करने के लिए तैयार करें, प्रेरित करें। इसी तरह, ऋण (डेट) और निश्चित रिटर्न माध्यमों पर ज्यादा भरोसा ना करें, क्योंकि ये आपकी पूंजी को सुरक्षित तो रखेंगे लेकिन ठीक-ठाक पैसा बनाने के लिए उचित रिटर्न नहीं दिलाएंगे। अगर आप उन लोगों में से हैं, जो सेवानिवृत्ति या किराये से आमदनी के लिए दूसरे घर के बारे में सोच रहे हैं, तो ऐसा न कर धन सृजन पर ध्यान दें।

खेतीः कीटनाशकों का नया विकल्प है सौर ऊर्जा, तकनीक भी साबित हो रही है पर्यावरण अनुकूल

कीटनाश के बदले सोलर लाइट ट्रैप तकनीक इस्तेमाल कम लागत वाला और नुकसान रहित है। यह पूरी तरह से पर्यावरण-अनुकूल भी है। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में धान की पैदावार काफी अच्छी होती है। यहां का किसान धान में लगने वाले कीड़ों से परेशान था। जिले के कटंगझरी ग्राम के वीरेंद्र धांद्रे एवं अन्य किसान कृषि विभाग से मिले सौर ऊर्जा आधारित सोलर लाइट ट्रैप लगाया और अब बगैर किसी रसायन के उनकी फसल निरापद है। घटती जोत और बढ़ती आबादी ने अधिक फसल उत्पादन का दबाव बढ़ा दिया है। खेतों में नैसर्गिक रूप से कीट-पतंगे होते हैं, जिनमें से कई खेती और धरती के लिए जरूरी होते हैं। फसल को हानिकारक कीटों से बचाने के लिए छिड़की जाने वाली रासायनिक दवाएं न केवल फसलों के पोषक तत्वों की दुश्मन हैं, बल्कि प्रकृति-मित्र कीट-पतंगों को भी नष्ट कर देती हैं। लेकिन अब खेतों में सूरज की चमक से चलने वाले प्रकाश-उत्पादक बल्ब बगैर किसी नुकसान के मामूली व्यय में हानिकारक कीटों का नाश कर देते हैं। तेजी से हो रहे मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान ने हर फसल चक्र के दौरान फसलों पर अलग-अलग कीटों के प्रकोप में भी बढ़ोतरी कर दी है। हर साल सैकड़ों किसान जहरीली दवाओं के बेतहाशा इस्तेमाल के चलते मौत या दमे-कैंसर जैसी बीमारियों के शिकार होते हैं। हमारे देश में हर साल कोई दस हजार करोड़ रुपये के कृषि-उत्पाद खेत या भंडार-गृहों में कीड़ों के कारण नष्ट हो जाते हैं। इस बर्बादी को रोकने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ा। वर्ष 1950 में इसकी खपत 2,000 टन थी, लेकिन आज कोई 90 हजार टन जहरीली दवाएं देश के पर्यावरण में घुल-मिल रही हैं। इसका कोई एक तिहाई हिस्सा विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत छिड़का जा रहा है। वर्ष 1960-61 में केवल 6.4 लाख हेक्टेयर खेत में कीटनाशकों का छिड़काव होता था, लेकिन आज अनुमानतः करीब डेढ़ करोड़ हेक्टेयर में इनका छिड़काव होता है। ये कीटनाशक जाने-अनजाने में पानी, मिट्टी, हवा, जन-स्वास्थ्य और जैव विविधता को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं। इनके अंधाधुंध इस्तेमाल से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। कई कीटनाशकों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ गई है। इस्तेमाल की जा रही दवाओं का महज 10 से 15 फीसदी ही असरकारक होता है, शेष जहर मिट्टी, भूगर्भ जल, नदी-नालों का हिस्सा बन जाता है। कीट नियंत्रण के लिए सोलर लाइट ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल कम लागत वाला और नुकसान रहित है। सौर ऊर्जा संचालित कीट जाल पूरी तरह से स्वचालित, किफायती और पर्यावरण-अनुकूल है, जिसमें अल्ट्रावायलेट लाइट लगी है। दिन में सूर्य के प्रकाश में सोलर पैनल द्वारा ऊर्जा एकत्रित होती है और अंधेरा होने पर सेंसर के कारण यंत्र में लाइट चालू हो जाती है, जो कीटों को आकर्षित करती है। ट्रैप में कीटों के आने के बाद कीट नीचे लगी जाली में फंस जाते हैं। इस प्रकार खेत में किसानों को तना छेदक तितली और अन्य कीटों से फसलों को बचाने में मदद मिलती है। यह अत्याधुनिक उपकरण कीट और कीड़ों के पैटर्न की पहचान करता है और उसके अनुसार कीट प्रबंधन और नियंत्रण योजना विकसित करता है। इसकी पकड़ में सभी उड़ने वाले निम्फ और वयस्क कीड़े आदि आते हैं। इसकी तकनीक बेहद सामान्य-सी है, जिसका कोई खास रखरखाव भी नहीं होता। इसमें स्वचालित सौर लाइट ट्रैप में 10 वाट का सोलर लाइट पैनल है, जो बैटरी को चार्ज करता है। इसकी खासियत है कि यह मशीन केवल शत्रु कीटों को निशाना बनाती है। ऐसे कीट शाम 6 बजे से रात 10 बजे के बीच अधिक सक्रिय होते हैं। सौर ऊर्जा से संचालित यंत्र की लाइट अंधेरा होते ही शुरू हो जाती है और सुबह उजाला होते ही बंद। खेत में हर पौधे की लंबाई अलग-अलग होती है, इसलिए इस उपकरण को इस तरह ऊंचाई पर लगाया जाता है कि औसत ऊंचाई पर बैठे कीट इसकी तरफ आकर्षित हो जाएं। इस साधारण-सी तकनीक के गांव तक पहुंचने में एक ही व्यवधान है-ताकतवर अंतरराष्ट्रीय कीटनाशक लॉबी, जिसका अरबों का उत्पाद इसके चलते बिकना बंद हो सकता है। इसे ब्लॉक या जिले के कृषि विभाग कार्यालय या कृषि विज्ञान केंद्र से लिया जा सकता है। इस पर सरकार कुछ सब्सिडी भी देती है, लेकिन अभी इसका व्यापक स्तर पर प्रचार बहुत कम है।

महाशिवरात्रि और प्रदोष व्रत का संयोग एक साथ, इस दिन व्रत और पूजा से मिलेगा दोगुना लाभ

इस बार की महाशिवरात्रि बहुत ही ज्यादा खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन शुक्र प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। प्रदोष व्रत के अलावा इस दिन और भी कई दुर्लभ योग बन रहे हैं। महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस साल महाशिवरात्रि का पर्व 8 मार्च को है। इस दिन भगवान शिव की विधि विधान से पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। इस बार की महाशिवरात्रि बहुत ही ज्यादा खास मानी जा रही है, क्योंकि इस दिन शुक्र प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। प्रदोष व्रत के अलावा इस दिन और भी कई दुर्लभ योग बन रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इस बार महाशिवरात्रि पर व्रत रखकर भोलेनाथ की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी होंगी। तो चलिए जानते हैं महाशिवरात्रि पर बनने वाले सभी योगों के बारे में... 8 मार्च को महाशिवरात्रि वाले दिन शिव योग, सिद्ध योग और चतुर्ग्रही योग का संयोग हो रहा है। इस दिन कुम्भ राशि पर शनि मूल त्रिकोण में बैठे हैं। इसके साथ सूर्य, चंद्रमा और शुक्र भी विराजमान हैं। इसके अलावा महाशिवरात्रि के दिन शुक्र प्रदोष व्रत भी है। ऐसे में यह अद्भुत संयोग विशेष फलदायी है। इस दिन भगवान शिव की पूजा से कई गुना फल मिलेगा।

बाबा महाकाल की अनोखी भस्म आरतीः भांग और त्रिपुंड से बना दिव्य रूप, ड्राई फ्रूट-चांदी के बिल्व पत्र से सजाया

आज यानी सोमवार को बाबा महाकाल की अनोखी भस्म आरती की गई। भांग से त्रिपुंड बनाया गया। साथ ही ड्राई फ्रूट और चांदी के बिल्व पत्र से बाबा महाकाल को सजाया गया।विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन कर्ष्णि पक्ष की द्वितीया पर सोमवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को रजत का मुकुट और रुद्राक्ष की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज बाबा महाकाल का श्रृंगार भांग से किया गया। इस श्रृंगार की विशेषता यह रही कि ड्राई फ्रूट से बाबा महाकाल को सजाया गया और उन्हें चांदी के बिल्व पत्र अर्पित किए गए, जिसके बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ ही सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित कर फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

साउथ की ये आठ बहुप्रतीक्षित फिल्में मचाएंगी धमाल

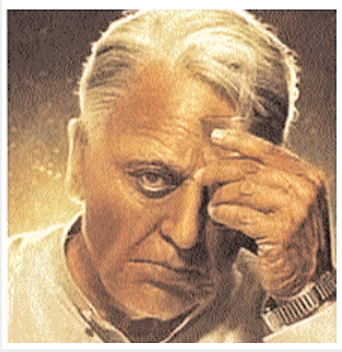

साउथ सिनेमा के लिए ये वर्ष 2024 कुछ खास साबित होता नहीं दिख रहा है। तमिल सिनेमा ने इस वर्ष बहुत धीमी शुरुआत की है। इसके बावजूद भी ऐसा लग रहा कि अपनी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को इन्होंने साउथ सिने प्रेमियों के लिए बचाकर रखा है। इस साल साउथ की शीर्ष आठ बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। आइए जानते इन फिल्मों के बारे में...विजय स्टारर ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में विजय डबल रोल में नजर आएंगे। विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु के बीच ये फिल्म पहला सहयोग है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा भूमिका में विजय के लुक को निखारने के लिए फिल्म में डी-एजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। तमिल सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही वेट्टैयन नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इसका निर्देशन जय भीम फेम टीजे ज्ञानवेल ने किया है। फिल्म अपनी शुरुआती घोषणा से ही सुर्खियों में छाई हुई है। फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बचन, फहद फासिल और मंजू वारियर जैसे कलाकार दिखाई देंगे। कमल हासन स्टारर इंडियन 2 इस साल की सबस अधिक प्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है ये फिल्म 1996 की फिल्म इंडियन का सीक्वल है। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इंडियन 2 में कमल हासन स्वतंत्रता सेनानी सेनापति के रूप में वापसी करते हुए दिखाई देंगे। हालांकि फिल्म को लेकर कोई अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म के मई में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। विदामुयार्ची एक आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें अजित कुमार और तृषा कृष्णन अमद भूमिका में हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उच स्तर का एक्शन देखने को मिलेगा। साउथ सुपरस्टार सूर्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में सूर्या जबल रोल निभाते नजर आएंगे। एक किरदार में वह आदिवासी लुक में नजर आएंगे। वहीं, दूसरे किरदार में वह एक वैज्ञानिक के लुक में नजर आएंगे। फिल्म में बॉबी देओल जबर्दस्त खलनायक के किरदार में दिखाई देंगे। उनके किरदार उधीरन का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी हो चुका है। कंगुवा के जरिए सूर्या और शिवा पहली बार साथ काम कर रहे हैं। चियान विक्रम अपनी आगामी फिल्म थंगालान को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। पा रंजीत द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी रिलीज को टाल दिया गया था। अब ये फिल्म अप्रैल में रिलीज के लिए तैयार है। थंगालान भारत में ब्रिटिश शासन काल की कहानी पर आधारित है। यह एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें आदिवासी नेता थंगालान अंग्रेजों का बहादुरी से सामना करते हैं। साउथ फिल्म अमरन में शिवकार्तिकेयन अहम भूमिका में दिखाई देंगे। अमरन में शिवकार्तिकेयन के साथ साई पल्लवी, भुवन अरोड़ा, राहुल बोस, लल्लू, अजय नागा और अन्य कई सितारे भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का टीजर कमल हासन ने शिवकार्तिकेयन के जन्मदिन से एक दिन पहले जारी किया था। कमल हासन राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बन रही यह फिल्म 2014 में जम्मू कश्मीर के शोपियां में एक आतंकवादी रोधी अभियान में शहीद हुए मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक है। फिल्म रयान अभिनेता धनुष की ऐतिहासिक 50वीं फिल्म है। अपने 50वें प्रोजेक्ट के लिए वह लेखक-निर्देशक की भूमिका भी निभा रहे हैं। रयान के फर्स्ट लुक पोस्टर में धनुष एप्रन पहने और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभिनेता के फर्स्ट लुक पोस्टर देखने के बाद दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म इस साल के अंत तक बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है।

आर्टिकल 370 ने तीसरे दिन की बंपर कमाई

विद्युत की क्रैक समेत अन्य फिल्मों का हाल

सिनेमाघरों में हर हफ्ते कोई न कोई फिल्म रिलीज होती है। इन दिनों कई फिल्मों से सिनेमाघर गुलजार है। इस महीने कई मशहूर सितारों की फिल्में सिनेमाघरों में लोगों के मनोरंजन के लिए प्रदर्शित हो रही हैं। एक तरफ जनवरी में रिलीज हुई ऋतिक रोशन की फाइटर अभी तक टिकी हुई है। वहीं, 9 फरवरी को रिलीज हुई शाहिद कपूर और कृति सेनन की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। वहीं, इस शुक्रवार यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक ने भी दस्तक दी है। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रही हैं। तो आइए जानते हैं रविवार को इन फिल्मों का क्या हाल रहा... यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। साथ ही फिल्म में यामी के अभिनय की भी खूब तारीफ हो रही है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने अच्छा कारोबार किया था, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में अछी बढ़त दर्ज हुई है। पहले रविवार को आर्टिकल 370 ने की बंपर कमाई की है। तीसरे दिन फिल्म ने 9.50 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही तीन दिन में फिल्म ने 22.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में विद्युत के साथ अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी एक्शन अवतार में नजर आए हैं। शुक्रवार को रिलीज हुई ये फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। क्रैक ने ओपनिंग डे पर 4.25 करोड़ कमाए थे। इस बाद इसकी कमाई में और भी गिरावट देखने को मिली है। तीसरे दिन यानी पहले रविवार को क्रैक ने 2.40 करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म ने 8.80 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दर्शकों को शुरुआत से ही काफी पसंद आ रही है। दर्शकों को फिल्म में शाहिद-कृति की जोड़ी खूब पसंद आ रही है। इस फिल्म में पहली बार दोनों सितारे साथ में बड़े पर्दे पर रोमांस करते हुए नजर आए हैं। फिल्म में एक वैज्ञानिक और रोबोट की प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रोबोट की भूमिका कृति सेनन ने निभाई है। इसकी कमाई की बात करें तो, फिल्म ने 17वें दिन 2.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। अब तक फिल्म ने 73.55 करोड़ का कारोबार कर लिया है। ऋतिक रोशन, दीपिका पादिकोण और अनिल कपूर स्टारर फाइटर दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म कमाई के मामले में धीमी चाल चल रही है। ऋतिक और दीपिका इस फिल्म में पहली साथ में पर्दे पर रोमांस करते नजर आए हैं। दोनों का साथ में स्क्रीन पर आना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। फाइटर ने 32वें दिन 75 लाख की कमाई की है। इसी के साथ ही इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 211.15 करोड़ रुपये हो गया है।

कैप्टन मार्वल के लिए मशहूर अभिनेता केनेथ मिशेल का निधन, 49 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

मशहूर कनाडाई अभिनेता केनेथ मिशेल का शनिवार, 24 फरवरी को निधन हो गया। उन्होंने 49 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्हें स्टार ट्रेक डिस्कवरी और मार्वल के कैप्टन मार्वल सीरीज देखा गया था। केनेथ के निधन की खबर उनके परिवार ने अभिनेता के सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की।

रकुल-जैकी की शादी में बड़े मियां छोटे मियां ने जमकर मचाया था धमाल

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने हाल ही में गोवा में शादी की थी। इस समारोह में दोनों सितारों के परिवारों के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां भी शामिल हुई थीं। 21 फरवरी को सात फेरे लेने के बाद उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं। तस्वीरों में यह नवविवाहित जोड़ा काफी खुश नजर आ रहा था।

बारात में थिरकते दिखे अक्षय-टाइगर

अब रकुल और जैकी की शादी का एक अनदेखा वीडियो सामने आया है। वीडियो में जैकी की बारात में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ नजर आ रहे हैं। इस छोटे से क्लिप में दोनों सितारों को दूल्हे राजा को बधाई देते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में आगे अक्षय और टाइगर थिरकते हुए भी नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के सामने आने के बाद फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

एक यूजर ने लिखा, बॉलीवुड के सितारे भारत में शादी कर रहे हैं, यह देखकर अच्छा लग रहा है। इसके अलावा और भी बहुत से यूजर्स इस वीडियो पर कमेंट करके अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय और टाइगर जल्द ही बड़े मियां छोटे मियां नाम की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दोनों के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। फिल्म में वे नेगेटिव रोल में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। वहीं, इसका निर्माण पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले हुआ है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म को ईद के मौके पर रिलीज करने की तैयारी चल रही है।

किसान आंदोलन पर अनुपम खेर ने दी प्रतिक्रिया

बोले- सभी को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार, लेकिन...

अनुपम खेर हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक हैं। अभिनय के अलावा वे अन्य मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। वे जल्द ही फिल्म कागज 2 में नजर आने वाले हैं। हाल ही में अभिनेता ने एक बातचीत के दौरान उन्होंने किसान आंदोलन पर भी अपने विचार साझा किए। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत क्षमता से विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया है, लेकिन उनका मानना है कि कलाकारों को कार्यकर्ता के रूप में काम नहीं करना चाहिए। अभिनेता की फिल्म कागज 2 प्रदर्शनों और रैलियों का नकारात्मक प्रभाव के विषय पर आधारित है। वीके प्रकाश के निर्देशन में बनी यह फिल्म विरोध प्रदर्शनों और रैलियों के कारण आम व्यक्तियों को होने वाली परेशानियों के बारे में है। अनुपम ने कहा, अभिनेताओं और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों को योद्धा नहीं माना जाता है। मैंने व्यक्तिगत तौर पर हर उस चीज के बारे में आवाज उठाई है, जिसने मुझे परेशान किया है और उसके परिणाम भी भुगते हैं। इसकी वजह से मैं कई लोगों के बीच अलोकप्रिय भी हो गया, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दिन के अंत में में मैं अपने विचारों के साथ शांति से सोता हूं। अभिनेता ने कहा कि मुद्दों को हल करने का आदर्श तरीका बातचीत है। महात्मा गांधी द्वारा किए गए आंदोलन की वजह से हम एक स्वतंत्र देश हैं। हम भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन का परिणाम हैं, लेकिन उस समय सभी देशवासी एक साथ थे, यह सभी के लिए था न कि सिर्फ कुछ लोगों की मदद के लिए। इस बातचीत में अनुपम किसानों के विरोध प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए कहा कि हर किसी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन इसका असर आम लोगों के जीवन पर नहीं पड़ना चाहिए। अभिनेता ने कहा, हर किसी को घूमने-फिरने की आजादी, अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है, लेकिन किसी को भी दूसरे लोगों को असुविधा पहुंचाने का कोई हक नहीं है। यह हमारे देश में वर्तमान समय में ऐसा ही हो रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूरे देश का किसान इस विरोध प्रदर्शन से समहत होंगे। किसान अन्नदाता हैं। हमें यह कहकर रक्षात्मक महसूस कराया जाता है कि हम अन्नदाता के बारे में बात कर रहे हैं...मुझे लगता है कि जो कर हम चुकाते हैं वे भी देश की वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। मुझे ऐसा लगता है आम लोगों के जीवन को दयनीय बनाना ठीक नहीं है। साल 2021 के किसानों के विरोध की बात करते हुए खेर ने लाल किले पर हुई घटना को लेकर भी असंतोष व्यक्त किया। अभिनेता ने कहा कि वह दृश्य मुझे हमेशा परेशान करता रहेगा। जब प्रदर्शनकारी लाल किले पर पहुंचे और उन्होंने हमारे देश का झंडा निकाल लिया और कोई अन्य झंडा लगा दिया। मैं भले ही कुछ लोगों के बीच अलोकप्रिय हो जाऊं, लेकिन मैं ऐसे लोगों के प्रति बिल्कुल भी सहानुभूति

जान्हवी कपूर करेंगी डबल

बॉलीवुड सहित साउथ में भी दिखाएंगी अभिनय का कमाल

जान्हवी कपूर बड़े पर्दे पर छा जाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही हैं। अभिनेत्री अलग-अलग किरदारों को निभाकर दर्शकों का दिल जीतने में लगी हुई हैं। सिल्वर स्क्रीन से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय का जादू चलाने वालीं जान्हवी जल्द ही साउथ फिल्मों में भी अपना कमाल दिखाने आ रही हैं। अभिनेत्री को आने वाले दिनों में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करते देखा जाएगा। इसके अलावा हसीना की पाइपलाइन में कई बॉलीवुड फिल्में भी शामिल हैं। आइए जान्हवी कपूर की आगामी फिल्मों की लिस्ट पर गौर फरमा लेते हैं- फिल्म निर्माता करण जौहर ने हाल ही में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के साथ आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का एलान किया। इसमें वरुण धवन सनी संस्कारी का रोल प्ले करेंगे और जाह्नवी कपूर तुलसी कुमारी बनेंगी। दर्शकों को फिल्म का टाइटल लुभावना लगा है और अब हर किसी की नजरें इसके टीजर पर टिकी हुई हैं। जानकारी हो कि जान्हवी कपूर और वरुण धवन को इससे पहले फिल्म बवाल में साथ देखा जा चुका है। जान्हवी कपूर जल्द ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया के निर्देशन में बन रही फिल्म उलझ में नजर आएंगी। फिल्म के मेकर्स ने पिछले साल इसकी घोषणा की थी। उलझ एक थ्रिलर फिल्म है। जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस मूवी में जान्हवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू भी हैं। जान्हवी कपूर और राजकुमार राव अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बीते लंबे समय से अपनी रिलीज को लेकर चर्चाओं में है। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा है। फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की घोषणा निर्माता करण जौहर ने नवंबर 2021 में की थी, और मई 2022 में इसकी शूटिंग शुरू हुई। यह फिल्म 2021 की हॉरर थ्रिलर रूही के बाद जान्हवी और राजकुमार के दूसरे सहयोग का प्रतीक है। जान्हवी कपूर, फिल्म देवरा से तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में सैफ अली खान विलेन का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म देवरा 5 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी रिलीज को 10 अक्तूबर तक बढ़ा दिया गया। देवरा की कहानी कोराताला शिवा ने लिखी है, साथ ही उन्होंने ही इसे निर्देशित भी किया है। जान्हवी कपूर, राम चरण के साथ आरसी 16 में स्क्रीन साझा करेंगी। हाल ही में फिल्म निर्माता और जान्हवी के पिता बोनी कपूर ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की कि जान्हवी ने अपना दूसरा तेलुगु प्रोजेक्ट साइन किया है। वे जल्द ही बुची बाबू सना के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट में राम चरण के साथ दिखाई देंगी।

मराठी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े ने दृश्यम 2 के इस अभिनेता से की सगाई

मराठी टीवी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। अभिनेत्री इन दिनों सातव्य मुलिची सातवी मुलगी सीरियल में नजर आ रही हैं। इसी बीच तितीक्षा ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी साझा की है। छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री ने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड और अभिनेता सिद्धार्थ बोडके से सगाई कर ली है। कपल ने सोशल मीडिया पर सगाई की मनमोहक तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर फैंस और सितारे दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं।

सगाई की तस्वीरों को साझा करते हुए तितीक्षा तावड़े और सिद्धार्थ बोडके ने कैप्शन में लिखा, हमेशा के लिए अपने सबसे अछे दोस्त के साथ। तस्वीरों में तितिक्षा और

सिद्धार्थ अपने स्टाइलिश सगाई आउटफिट में एक साथ कमाल दिख रहे हैं। तितीक्षा लैवेंडर साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने मिनिमल जूलरी के साथ अपने लुक को पूरा किया। साथ ही न्यूड मेकअप में इसे क्लासी टच देती नजर आईं।

दूसरी ओर, सिद्धार्थ सफेद इंडो-वेस्टर्न आउटफिट में बेहद डैपर लग रहे हैं। दोनों को अपनी सगाई की अंगूठी फ्लॉन्ट करते देखा जा सकता है। दूसरी तस्वीर में सिद्धार्थ अपनी मंगेतर के गाल पर किस करते नजर आ रहे हैं। कपल की सगाई की तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई हैं। मराठी इंडस्ट्री के सितारे तितीक्षा और सिद्धार्थ को दिल खोलकर बधाइयां दे रहे हैं।

समीर खांडेकर ने कमेंट कर लिखा, भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। इसके अलावा अर्चना निपंकर, ऐश्वर्या नारकर और तन्वी मुंडले समेत कई अन्य सितारे भी कमेंट कर जोड़े को उनकी आने वाली जिंदगी के लिए शुभकामनाएं देते देखे गए हैं।

तितिक्षा और सिद्धार्थ की बात करें तो दोनों की मुलाकात तू आशी जवाली रहा के सेट पर हुई थी। दोस्त बनने के बाद वे एक-दूसरे को डेट करने लगे। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद उन्होंने शादी करने का फैसला किया। दोनों जल्द ही सात फेरे लेकर हमेशा के लिए एक-दूजे के हो जाएंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो तितीक्षा सातव्य मुलिची सातवी मुलगी शो में नेत्रा का किरदार निभा रही हैं, जबकि सिद्धार्थ को अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 में डेविड के किरदार के लिए जाना जाता है।

इंदौर की मंडी में अब लहसुन की नीलामी आढतियों के स्थान पर मंडी कर्मचारी करेंगे

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी मंडी में सोमवार से लहसुन की नीलामी मंडी कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। गौरतलब है कि अभी तक मंडी प्रांगण में गीले तथा सूखे लहसुन का विक्रय आढतियों एवं मंडी कर्मचारियों द्वारा किया जाता था। इस मामले हाई कोर्ट में चल रही एक याचिका का निराकरण करते हुए कोर्ट ने 6 फरवरी को आदेश पारित किया था। इस संबंध में मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल के आयुक्त सह प्रबंध संचालक के निर्देश पर मंडी में लहसुन की नीलामी व बिक्री की व्यवस्था में सोमवार से बदलाव किया गया। मंडी सचिव नरेश परमार ने बताया कि समस्त कृषकों एवं व्यापारियों को बताया गा गया है कि अधिसूचित कृषि उपज लहसुन (गीला तथा सूखा) का घोष विक्रय (नीलामी) मंडी कर्मचारियों के माध्यम से सोमवार से सुबह 9:30 बजे से दोपहर एक बजे तक एवं दोपहर 1:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक की जाएगी।

अडानी ग्रुप का इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों में उतरने की योजना, उबर बन सकता है पार्टनर

नई दिल्ली। मार्केट कैपिटल के लिहाज से भारत का तीसरा सबसे बड़ा बिजनेस घराना अडानी ग्रुप की नजरें अब इलेक्ट्रिक कारों पर हैं। इस सेक्टर में एंट्री के लिए अडानी ग्रुप उबर टेक्नोलॉजीज के साथ एक रणनीतिक साझेदारी पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य उबर टेक्नोलॉजीज के राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म पर अपनी इलेक्ट्रिक पैसेंजर कारों को पेश किया जा सके और समूह के सुपर ऐप अडानी वन पर पकड़ बनाई जा सके। साझेदारी में उबर की सेवाओं को अडानी वन के तहत लाने की भी योजना है, जिसे 2022 में लॉन्च किया गया था। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और उबर के सीईओ दारा खोस्रोवशाही के बीच 24 फरवरी की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी। अडानी ग्रुप इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों में उतरने की योजना बना रहा है और उबर के साथ सहयोग से इसमें और तेजी आएगी। बसों, कोचों और ट्रकों जैसे इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल वाहनों में इसकी पहले से ही मौजूदगी है। हालांकि यह वाहन निर्माण में नहीं है, लेकिन इसके पोर्ट और एयरपोर्ट बिजनेस में इसकी बड़ी इन-हाउस जरूरते हैं। अडानी कारें खरीदेंगे, उनकी ब्रांडिंग करेंगे और उन्हें उबर के नेटवर्क में जोड़ेंगे। इसने हाल ही में 3,600 इलेक्ट्रिक बसों के लिए सरकारी टेंडर में बोली लगाई है।

उबर का क्या है इरादा उबर का इरादा दुनिया भर में अपने मौजूदा बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने का है, क्योंकि वह 2040 से पहले खुद को जीरो-एमिशन यानी शून्य उत्सर्जन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म में बदलना चाहता है। अडानी-उबर पार्टनरशिप में भारत में इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने की क्षमता है। बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से भारत में गिग इकोनॉमी को भी बड़ा बढ़ावा मिल सकता है। उबर की भारत में एंट्री 2013 हई थी और तब से 3 अरब से अधिक ट्रिप पूरी कर चुका है और अब 125 शहरों में उपलब्ध है। उबर के मुताबिक इसने 8 लाख से अधिक भारतीयों को अपने नेटवर्क से जोड़कर इनकम को बढ़ाने में मदद की है। अडानी से गठजोड़ ग्रुप के रिन्युएबल एनर्जी के साथ भी अच्छी तरह से फिट होगा। यह पूरे भारत में चार्जिंग स्टेशनों का एक नेटवर्क स्थापित कर रहा है और ईवी फ्लीट को ग्रीन एनर्जी के साथ पावर देकर लूप को पूरा करेगा।

साझेदारी से अडानी को क्या होगा फायदा इसके अलावा, इस साझेदारी से अडानी वन के विस्तार में भी मदद मिलेगी। उबर फ्लाइट बुकिंग, हॉलीडे पैकेज, एयरपोर्ट सर्विसेज और कैब बुकिंग जैसी कई सेवाएं प्रदान करता है। अडानी ग्रुप अगले 10 साल में भारत के ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 2027 तक सोलर मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता को 10त्रड्ढ तक बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत में उबर और ओला में कड़ा कंपटीशन है। ओला ईवी पर भी दांव लगा रहा है और उसका एक आईपीओ भी आने वाला है।

स्प्रेकिंग लिमिटेड को ब्रास रॉड की सप्लाई के लिए 10 मिलियन रुपये का ऑर्डर मिला

मुंबई! लीडिंग ब्रास मैन्युफैक्चरर, स्प्रेकिंग लिमिटेड ने घोषणा की है कि कंपनी को ब्रास रॉड की आपूर्ति के लिए 10 मिलियन रुपये का खरीद ऑर्डर मिला है। कंपनी ने अपनी डाइवर्स प्रोडक्ट ऑफरिंग और एग्रीकल्चर सेक्टर में इन्नोवेशन के प्रति प्रतिबद्धता को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए एक स्ट्रेटिजिक रीब्रांडिंग की है। 10 मिलियन रुपये का खरीद ऑर्डर, बाज़ार में स्प्रेकिंग लिमिटेड की विशेषज्ञता और प्रतिष्ठा का प्रमाण है, जो एग्रो इक्विपमेंट इंडस्ट्री में कंपनी की निरंतर वृद्धि और सफलता को उजागर करता है। यह माइलस्टोन न केवल स्प्रेकिंग लिमिटेड की वित्तीय स्थिति को मज़बूत करता है बल्कि बाज़ार में एक विश्वसनीय सप्लायर के रूप में इसकी स्थिति को भी ताकत देता है।

स्प्रेकिंग लिमिटेड अत्याधुनिक एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस देने और अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करने के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। कंपनी इस सफलता को आगे बढ़ाने, नई साझेदारियां बनाने और कृषि क्षेत्र की वृद्धि और दक्षता में योगदान जारी रखने के लिए तत्पर है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, स्प्रेकिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हितेश दुधागरा ने कहा कि स्प्रेकिंग लिमिटेड को एक्सीलेंस की दिशा में अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन घोषित करते हुए खुशी हो रही है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमें हाल ही में हमारी हाई-क्वॉलिटी ब्रास रॉड के लिए लगभग 10 मिलियन रुपये मूल्य का एक बड़ा खरीद ऑर्डर मिला है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि स्प्रेकिंग लिमिटेड के हमारे वैल्यूड क्लाइंट्स की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले और उससे भी बेहतर उत्पाद प्रदान करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। परचेज़ ऑर्डर न केवल हमारे ग्राहकों द्वारा हमारे उत्पादों में दिखाए गए ट्रस्ट और कॉन्फिडेंस को दर्शाता है, बल्कि स्प्रेकिंग लिमिटेड से जुड़ी असाधारण गुणवत्ता और विश्वसनीयता को भी रेखांकित करता है। जैसे ही हम स्प्रेकिंग एग्रो इक्विपमेंट लिमिटेड से स्प्रेकिंग लिमिटेड में परिवर्तित करते हैं, यह महत्वपूर्ण परचेज़ ऑर्डर इनोवेशन और डाइवर्सफिकैशन के प्रति हमारे समर्पण को मज़बूत करता है। हम स्प्रेकिंग लिमिटेड के लिए आगे की विकास संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं, और हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाले इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। स्प्रेकिंग लिमिटेड में, हम अपनी सफलता का श्रेय अत्याधुनिक तकनीक, स्किल्ड वर्कफोर्स और कस्टमर-सेंट्रिक अप्रोच के कॉम्बिनेशन को देते हैं। हम अपने क्लाइंट्स, पार्टनर्स और स्टेकहोल्डर्स के निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं जो हमारी यात्रा का अभिन्न अंग रहे हैं। यह परचेज़ ऑर्डर न केवल एक महत्वपूर्ण फाइनेंशियल माइलस्टोन है, बल्कि उत्कृष्टता की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमें प्रेरणा भी देता है। हम इस सफलता को आगे बढ़ाने और भविष्य में अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। 2005 में स्थापित, स्प्रेकिंग लिमिटेड ब्रास कंपोनेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग और पार्ट्स सहित फिटिंग, फोर्जिंग इक्विपमेंट, ट्रांसफार्मर पार्ट्स और अन्य कस्टमाइज़ ब्रास कंपोनेंट्स के काम में लगी हुई है। स्प्रेकिंग एक विख्यात मैन्युफैक्चरर है जो कॉपर फोर्जिंग उत्पादों में विशेषज्ञता रखता है। क्वॉलिटी गुणवत्तापूर्ण क्राफ्ट्समैनशिप और इक्सेप्शनल डिजाइन के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों को फंक्शनल और डेकोरेटिव कॉपर के उत्पादों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करना है। स्प्रेकिंग एग्रीकल्चर स्प्रेयर पार्ट्स और गार्डन फिटिंग्स, निकाली गई ब्रास रॉड्स, ब्रास फिटिंग्स और सीसा रहित ब्रास फिटिंग्स और फोर्जिंग विशेषता की मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग में लगी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और भारत में अद्वितीय ग्राहकों के साथ इसकी वास्तव में ग्लोबल प्रेजेंस है। इसके हाई-क्वॉलिटी प्रोडक्ट्स,टेक्निकल नॉलेज और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को वैश्विक बाज़ारों में शामिल होने में सक्षम बनाता है।

स्प्रेकिंग में अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (क्रष्ठ) सुविधा है। यह अत्याधुनिक सुविधा फोर्जिंग प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में कंपनी के विश्वास का प्रतिनिधित्व करती है, जो अपने क्षेत्र में एक इंडस्ट्री लीडर के रूप में स्प्रेकिंग की स्थिति को और मज़बूत करती है।

इससे पहले कंपनी ने गुजरात के जामनगर में एक नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी खरीदी थी। कंपनी की मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी की तरह, यह यूनिट ब्रास और फोर्जिंग कंपोनेंट्स और पार्ट्स का उत्पादन करेगी। यह 3,000 वर्ग मीटर का मॉडम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट फैला हुआ है। इस प्रोडक्शन प्लांट की स्थापना से कंपनी की बाज़ार स्थिति मज़बूत होगी।

कंपनी को विकसित करने के प्रयास में, स्प्रेकिंग लिमिटेड ने हाल ही में मेसर्स नर्मदा ब्रास इंडस्ट्रीज़ में 51त्न हिस्सेदारी खरीदी है। श्री हितेश दुधागरा ने 2019 में पार्टनरशिप वेंचर नर्मदा ब्रास इंडस्ट्रीज़ की स्थापना की। नर्मदा ब्रास अपनी स्वयं की प्रोडक्शन फैसिलिटी में कॉपर ब्रास के सामान का उत्पादन करता है। यह मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सालाना 2,000 टन जाली सामान का उत्पादन कर सकती है। इस अधिग्रहण के साथ, कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और डोमेस्टिक तथा इंटरनेशनल मार्केट्स से नए ऑर्डर पूरे कर रहा है। कंपनी अपने विज़न और लक्ष्य को पूरा करने के लिए ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक दोनों तरह से विस्तार कर रही है। जुटाया गया पैसा कंपनी के विस्तार में लगाया जाएगा।

शादी के सीजन में रिटेल व्यापार में 5.5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

-कैट का दावा, दिल्ली में ही 4 लाख शादियों से 1.5 लाख करोड़ रुपये का होगा व्यापार

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने मौजूदा विवाह सीजन में 42 लाख शादियां होने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही विवाह से जुड़ी खरीदारी और सेवाओं के जरिए करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये की भारी नगदी देशभर के बाजारों में आने का दावा किया है। इस सीज़न में अकेले राजधानी दिल्ली में ही 1.5 लाख करोड़ के कारोबार होने की उम्मीद है। कैट के राष्टीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को जारी बयान में कहा कि बीते साल दिसंबर तक के सीजन में करीब 35 लाख विवाह हुए थे, जिसमें खर्च का अनुमान 4.25 लाख करोड़ रुपये था। इसके मुकाबले मौजूदा विवाह सीजन में 5.5 लाख करोड़ रुपये का अनुमान अबतक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। खंडेलवाल ने कहा कि इस शादी के सीजन में विवाह संबंधित खरीदारी और सेवाओं के माध्यम से करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है।

खंडेलवाल ने बताया कि शादियों के सीजन के दौरान जिन सामानों में ज़्यादा व्यापार होता है, उनमें घर की मरम्मत और पेंटिंग का व्यवसाय मुख्य रूप से शामिल है। इसके साथ ही आभूषण, साड़ी, लहंगा-चुनरी, फर्नीचर, रेडीमेड कपड़े, कपड़े, जूते, विवाह और शुभकार्य कार्ड, सूखे मेवे, मिठाई, फल, पूजा वस्त्र, किराना, अनाज, सजावटी वस्त्र, घर की सजावट, इलेक्ट्रिकल यूटिलिटीज, इलेक्ट्रॉनिक्स, और विभिन्न उपहार आइटम आदि की मांग सबसे अधिक होती है, जिससे शादी के सीजन में बड़ा व्यापार मिलने की बड़ी उम्मीद रहती है। कैट महामंत्री ने कहा कि शादियों के लिए बैंक्वेट हॉल, होटल, ओपन लॉन, समुदाय केंद्र, सार्वजनिक पार्क, फार्महाउस, और विभिन्न अन्य विवाह स्थलों को दिल्ली सहित पूरे देश में पूरी तरह से बुक कर लिया गया है। हर विवाह की खरीदारी के अलावा, टेंट डेकोरेशन, विवाह स्थल की सजावट, फूलों की सजावट, क्रोकरी, केटरिंग सेवाएं, यात्रा सेवाएं, कैब सेवाएं, पेशेवर स्वागत समूह, सब्जी विक्रेता, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, बैंड, संगीत कलाकार, डीजे सेवाएं, विवाह बारात के लिए घोड़े, बग्घी, लाइट, ढोल, ताशे, नफ़ीरी, शहनाई सहित अनेक अन्य सेवाओं को भी बड़ा व्यापार मिलता है।

इतिहास रचने की कगार पर यशस्वी जायसवाल बनेंगे ऐसा कारनामा करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली । भारतीय स्टार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास आज रांची में इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड द्वारा मिले 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 40 रन बोर्ड पर लगा चुका है। यशस्वी जायसवाल नाबाद 16 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। अगर आज यानी मुकाबले के चौथे दिन उनके बल्ले से 50 और रन निकलते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरा कर लेंगे। इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। बता दें, भारत को जीत के लिए अभी 152 रनों की दरकार है।

यशस्वी 1000 रन के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे यशस्वी जायसवाल अपने टेस्ट करियर का यह 8वां मुकाबला खेल रहे हैं। अभी तक वह 3 शतक और दो अर्धशतक के दम पर 950 रन बना चुके हैं। इस मुकाबले में 50 और रन बनाते ही यशस्वी 1000 रन के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज 1000 रन पूरा करने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर और चेतेश्वर पुजारा के नाम है जिन्होंने 11-11 टेस्ट में ये कमाल किया था। यशस्वी अगर आज 1000 रन पूरा कर लेते हैं तो वह 8वे ही मैच में यह उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच देंगे। वहीं बात वर्ल्ड रिकॉर्ड की करें तो, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 1000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है जिन्होंने मात्र 7 टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं इंग्लैंड के हर्बर्ट सटक्लिफ और वेस्टइंडीज के एवर्टन वीक्स व जॉर्ज हेडली 9-9 मैचों में के साथ इस लिस्ट में संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। बात मुकाबले की करें तो, इंग्लैंड ने इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए जो रूट के शतक के दम पर 353 रन बोर्ड पर लगाए थे, इसके जवाब में भारत भी पहली पारी में 307 रन बनाने में कामयाब रहा था। टीम इंडिया को इस स्कोर तक पहुंचाने में ध्रुव जुरेल (90) और यशस्वी जायसवाल (73) का अहम रोल रहा था। 46 रनों की बढ़त के बाद इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 145 रनों पर ढेर हो गया था और उन्होंने भारत के आगे 192 रनों का लक्ष्य रखा है।

इंग्लैंड की दूसरी पारी 145 रन पर सिमटी, भारत जीत से 152 रन दूर

रांची । भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ रांची में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य मिला है। मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी 145 रन पर सिमट गई है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 353 रन बनाए थे। भारतीय टीम की पहली पारी आज 307 रन पर समाप्त हुई। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड टीम को 46 रन की बढ़त मिली थी। ऐसे में दूसरी पारी 145 रन पर सिमटने के बाद इंग्लैंड टीम की कुल बढ़त 191 रन की हुई। इस तरह भारत के सामने जीत के लिए 192 रन का लक्ष्य है। भारत की ओर से दूसरी पारी में रविचन्द्रन अश्विन ने पांच विकेट अपने नाम किए। अश्विन का टेस्ट में यह 35वां फाइव विकेट हॉल है। अश्विन के अलावा कुलदीप यादव ने चार विकेट लिए।

इंग्लैंड की दूसरी पारी सिमटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक बिना कोई विकेट गवाएं 40 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा नाबाद 24 रन और यशस्वी जायसवाल नाबाद 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। भारत को यह टेस्ट मैच जीतने के लिए अभी 152 रन की और जरूरत है। दूसरी पारी में 46 रन के बढ़त के साथ खेलने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। इंग्लैंड को 19 के स्कोर पर दो झटके लगे। पहले बेन डकेट 15 रन बनाकर आउट हुए, फिर ओली पोप अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इंग्लैंड को 65 के स्कोर पर बड़ा झटका लगा। पहली पारी में शतक लगाने वाले जो रूट 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड का 110 के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे जैक क्राउली 60 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड को 120 के स्कोर पर दो झटके लगे। कप्तान बेन स्टोक्स 4 रन बनाकर बोल्ड हो गए। इसके बाद जॉनी बेयरस्टो भी 30 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाज भी कुछ ज्यादा योगदान नहीं दे सके और 145 रन पर इंग्लैंड की पूरी टीम ऑलआउट हो गई। टॉम हार्टले 7 रन, बेन फोक्स ने 17 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से रविचन्द्रन अश्विन ने 5 विकेट, कुलदीप यादव ने 4 विकेट और रविन्द्र जडेजा ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले रविवार को आज तीसरे दिन भारत की पहली पारी 307 रनों पर सिमट गई। आज सुबह भारत ने सात विकेट पर 219 रन से आगे खेलना शुरू किया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और कुलदीप यादव ने संभलकर बल्लेबाजी की। दिन का पहला विकेट कुलदीप यादव के रूप में गिरा। कुलदीप 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने जुरेल के साथ मिलकर 76 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। इसके बाद आकाश दीप ने जुरेल का अच्छा साथ दिया और 40 रन की साझेदारी की। आकाश नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जुरेल शानदार 90 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। इस तरह भारत की पहली पारी 307 रनों पर सिमट गई। भारतीय टीम की ओर से पहली पारी में जुरेल के 90 रनों के अलावा यशस्वी जायसवाल ने 73 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं शुभमन गिल 38 रन, कुलदीप यादव 28 रन, रजत पाटीदार 17 रन, सरफराज खान 14 रन और रविन्द्र जडेजा ने 12 रन का योगदान दिया।

कटनी में बंद बोरी में मिला महिला का शव

दो आरोपियों ने पहले दुष्कर्म कर सर में पत्थर पटक उसे मौत के घाट उतार

सिटी चीफ । सुनील यादव कटनी, कटनी जिले के माधवनगर थाना क्षेत्र झिंझरी पुलिस अंतर्गत गुलवारा बाई पास के किनारे एक गड्ढे में बोरी में बंद एक महिला के शव मिलने के मामले में कटनी पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया की मृतक महिला के साथ दो आरोपियों ने पहले दुष्कर्म किया और महिला के सर में पत्थर पटक उसे मौत के घाट उतार उसके शव को बोरे में बंद कर गुलवारा बाई पास के सड़क किनारे फेक दिया था। माधवनगर पुलिस ने महिला के हत्या के मामले में दोनो आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है।

कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की माधवनगर पुलिस को 23 फरवरी को सूचना मिली थी की गुलवारा ओवर ब्रिज के किनारे एक बोरे में शव बंद है जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर माधवनगर की पुलिस के साथ वह खुद मौके पर पहुंच बोरे में बंद महिला के शव को निकलवाया। मृतक महिला की पहचान कोतवाली थाना क्षेत्र राजीव गांधी वार्ड निवासी राधा पटेल की हुई। जो दो से तीन दिन पहले आपने घर से लापता थी। मृतिका की पुत्री रोशनी पटेल ने बताया कि उसकी माँ राधा पटेल 3-4 दिन पहले घर से बिना बताये कही चली गई थी जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कोतवाली मे दर्ज कराई गई थी। उक्त मृतिका के शव का मौके पर एफ.एस.एल.टीम व पुलिस टीम द्वारा निरीक्षण किया गया मृतिका का चेहरा विकृत हालत मे व शरीर मे नीलेपन के निशान पाये गये है। शव का पी.एम. जिला अस्पताल कटनी से कराया गया। मृतिका के चेहरे को अरेस्ट हुए दोनो आरोपियों द्वारा पत्थर से कुचलकर हत्या की गई थी। थाना प्रभारी माधवनगर द्वारा टीम लगाकर सीसीटीवी कैमरे व साइबर सेल की मदद से आरोपियो की तलाश पतासाजी की गई विवेचना के मृतिका के परिजनों से पूछताछ दौरान पता चला कि अधारकाप के विकास निषाद का आना जाना मृतिका के घर में लगा रहता था विकास को मृतिका पुत्री रोशनी पटेल द्वारा फोन करने पर विकास का नंबर बंद आ रहा था । तथा मुखबिर से यह भी सूचना मिली कि जिस दिन से मृतिका गुमी है उस दिन से विकास निशाद व उसका दोस्त आकाश बर्मन अपने अपने घरों में नही आए। उक्त संदेहियों के तलाश के क्रम में मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि विकास निषाद तथा आकाश बर्मन दोनो अधारकाप में विकास के खेत में रुके है जो तत्काल उक्त स्थान पर पुलिस द्वारा दबिस दी गई दोनो विकास के खेत में उपस्थित मिले व पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किये जिन्हे घेराबंदी कर पकडा गया पूछताछ दौरान विकास ने बताया कि वह राधा बाई को पूर्व से जानता है। तथा उसके घर में आना जाना लगा रहता था । 20 फरवरी की शाम करीब राधा पटले को सिलेण्डर कनेक्शन अपडेट कराने उनके घर राजीव गाँधी वार्ड शास्त्री कालोनी से अपनी दो पहिया सी.डी डॉन में बैठाकर एस.बी.आई तिराहा लाया जहाँ उसका दोस्त आकाश बर्मन निवासी राजीव गाँधी वार्ड शास्त्री नगर का मिला जिसे साथ लेकर वे तीनो बस स्टेण्ड गैस एजेन्सी गये जहाँ समय अधिक होने से काम नही हुआ तब दोनो ने राधा बाई पटेल को विकास निषाद के खेत से ताजी सब्जी तोडकर देने का बहाना बनाकर अपने साथ ले गए जहां खेत के बीच में बनी मढिया (झोपडी) मे अन्दर जबरन लेटाकर बारी बारी बलात्कार करने की कोशिश की मृतिका द्वारा विरोध करने पर पहले आकाश ने मृतिका के चेहरे व शरीर में घूँसो एवं लातो से मारा और दोनो नें मृतिका के साथ बारी बारी करके जबरन बलात्कार किया जिससे मृतिका बेसुध सी हो गई मृतिका द्वारा जब उक्त दुश्कृत्य की रिपोर्ट पुलिस में लिखाने बोला गया तो दोनो ने मिलकर मृतिका को मारने का प्लान बनाया और मृतिका को जबरदस्ती अपनी गाडी में बीच में बैठाकर चक्की घाट के रास्ते से ट्रान्सपोर्ट नगर होते हुये इन्द्रानगर वाले रोड से उतरकर सुँघरहा-शाहनगर वाली रास्ता निकल गये तथा सुँघरहा गाँव के आगे दाहिने तरफ कच्ची रास्ता से सूनसान जंगल तरफ रोड से करीब तीन सौ मीटर अन्दर ले गये वहां मृतिका को उतारकर जमीन मे पटक दिये दोनो ने वहीं पड़े पत्थरो से मृतिका के सिर व चेहरे पर पटक-पटक कर मृतिका की हत्या कर दी। विकास ने आकाश बर्मन को गर्ग तिराहे के पास गली मे छोडकर अपने खेत जाकर दो बडी बडी बोरियाँ (झाल) ली और उन बोरी के अंदर धान का पैरा व रस्सी भरकर अपनी गाडी में रखरकर सुँघरहा जंगल गया तथा जहां मृतिका की लाश बोरी में भरकर गाडी मे पीछे तरफ बाँधकर वापस इन्द्रानगर ओवरब्रिज होते हुए गुलवारा ओवर ब्रिज के पहले रोड किनारे बने सूखे नाले पर बोरी से बंधी मृतिका की लाश को फेंक दिया।

मैहर में पत्रकारों को उप मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

राजेन्द्र शुक्लाः लोकतंत्र को वरदान बनाने का सपना पत्रकारिता ने पूरा किया

श्रीनिवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का संभागीय सम्मेलन ईको पार्क रीवा में आयोजित किया . सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पत्रकारिता बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है पत्रकार भाई अनेक कठिनाईयों का सामना करते हुए जनता की आवाज बुलंद करते हैं . सरकार और जनता के बीच पत्रकार ही संवाद की कड़ी हैं सरकार और प्रशासन को कमियाँ बताकर पत्रकार उस कमी को दूर करने का माध्यम बनते हैं। लोकतंत्र को वरदान बनाने का सपना पत्रकारिता ने ही पूरा किया है।

इसीलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में पत्रकार भवन बनाने तथा पत्रकारों के आवासीय भवन निर्माण के लिए जमीन चिन्हांकन के प्रयास किए गए हैं। यदि जमीन उपलब्ध हो तो पत्रकार भवन का के संबंध में जो मांग रखी गई हैं उन पर भी समुचित कार्यवाही की जाएगी समारोह में अखिलेश पाण्डेय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि रीवा में पत्रकार भवन की बहुत आवश्यकता है। शासन ने 2014 में पत्रकारों के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज होने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से विवेचना के निर्देश दिए थे। इसका पालन कराया जाए, द्वेषवश पत्रकारों के विरूद्ध दर्ज प्रकरण समाप्त किए जाएं समारोह में शहडोल संभाग के मोहम्मद अली ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में संगठन की ओर से क्रिकेटर सैम्य पाण्डेय, गायिका मान्या पाण्डेय तथा श्रेष्ठ कार्य करने वाले विभिन्न जिलों के पत्रकारों को सम्मानित किया गया। समारोह में संगठन के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया, नगर निगम के अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, समाजसेवी गुरमीत सिंह मंगू तथा बड़ी संख्या में रीवा एवं शहडोल संभाग के पत्रकारगण उपस्थित रहे।

भिलाला समाज संगठन म. प्र. की राजपुर तहसील इकाई की कार्यकारणीगठित

सिसोदिया बने भिलाला समाज संगठन के तहसील अध्यक्ष और डॉक्टर देवेंद्र रोमड़े बने संरक्षक , श्रीमती कमला जमरे उपाध्यक्ष और पदाधिकारी बनाए गए

अशोक राठौर । सिटी चीफ बड़वानी, आज राजपुर मंडी प्रांगण में जय ऊंकार आदिवासी भिलाला समाज संगठन म. प्र. की बड़वानी जिला इकाई द्वारा राजपुर तहसील इकाई की कार्यकारणी का गठन किया गया है। इस बैठक में संगठन के बड़वानी जिला अध्यक्ष श्री पर्वतसिंह सोलंकी(सेवा नि. अपर कलेक्टर), कार्यकारी अध्यक्ष श्री शंकरसिंह कवचे, कोषाध्यक्ष श्री जगदीश चौहान और अन्य पदाधिकारी ने नई कार्यकारणी चयन का अनुमोदन किया। साथ ही 3 मार्च रविवार को समाज जिला स्तर पर होने वाले युवक/युवती परिचय सम्मेलन एवम समाज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष श्री पर्वतसिंह सोलंकी जी ने सभी समाजजनों से समारोह में परिवार सहित आने का आमंत्रण दिया और युवक / युवतियों का बायोडेटा जिला इकाई या तहसील इकाई पर जमा करने का प्रारूप दिया। इस अवसर पर विशेषरूप से इंदौर से आए भिलाला समाज के राष्ट्रीय सलाहकार आदि. मांगीलाल इकवाले (सीनियर साइंटिस्ट) उपस्थित होकर नवगठित कार्यकारणी को बधाई दी और संगठन के बारे में उपस्थित जनों को संबंधित किया। साथ ही सचिन पटेल, पंकज गोरे, संदीप गोरे, जगदीश डावर, जगदीश निगवाल , कालू कन्नौजे, गोपाल इकवाले, गयादिन सानेर, नेहरू बमनका,सरपंच सुरेश कनासे, जीवन बमनका, कन्हैया आवासे आदि समाजजन मौजूद थे।

सर से उठा मां-बाप का साया

रिश्तेदारों ने किया जमीन पर कब्जा

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, कहते है बच्चे भगवान का रूप होते हैं। उन देवी रूपी तीन बेटियों से तो शायद भगवान ही रुठ गए है। बचपन में ही अपने मां बाप को खो चुकी यह तीनों बेटियों ने अपने मां-बाप की सूरत तक नहीं देखी, यह अपनी दादी के पास रहकर जीवन यापन कर रही थी, दादी का भी इनके सर से साया उठ गया। तो वही मानवता को शर्मसार करने वाले लोग भी ऐसे बच्चों से फायदा उठाने से आवाज नहीं आई कि उनकी जमीन जगह छीनकर उन्हें दरवाजा भटकने को मजबूर कर दिया। जिसके बाद यह बच्चियां आज से तीन वर्ष पहले दादी के गुजर जाने के बाद यह तीनों बच्चियां, अपने तीन अलग-अलग रिश्तेदारों के पास रहती है। यह दर्द भरी दास्तां दमोह जिले के हिंडोरिया की है, जहां के परसू पटेल की मृत्यु आज से लगभग दस-बारह वर्ष पूर्व हो गई है, जिसकी 6 पुत्रियाँ है। जिसमें सपना पटैल, भानबाई पटेल, शारदा पटेल, तीनों पुत्रियों का विवाह हो गया है, एवं 3 पुत्रियां, अर्चना पटेल, मोहनी पटैल, गुमता पटैल नाबालिग है, जो कि अपनी दादी प्रेमरानी पटैले के साथ हिण्डोरिया वार्ड नं. 15 बड़ीरौर में रहती थी। कि दादी की मृत्यु भी लगभग 3 वर्ष पहले हो गई, अब यह तीनों बहनें अपनी तीन अलग-अलग रिश्तेदारों के यहां रहकर जीवन यापन कर रही। बच्ची गुमता का कहना है कि वह अपनी दोनों छोटी बहनों को पढ़ा लिखा कर काबिल बनना चाहती है, लेकिन वह कुछ नहीं कर सकती उसके पास ना तो अपने पिता की कोई जमीन जगह है, और ना ही वह इस काबिल है कि वह कोई मजदूरी करके अपनी बहनों को पढ़ लिख सके, वह खुद पथरिया विधानसभा के ग्राम बौतराई में अपने नाना के यहां रहकर जीवन यापन कर रही है। तो उसकी एक बहन पथरिया के ग्राम बांसा कला में मोहिनी मौसी के यहां, तो दूसरी मामा के यहां रहती है। तो कभी-कभार यह बहिनें अपनी तीनों बड़ी बहनों के यहां भी रहने के चली जाती हैं। वह चाहती है कि प्रशासन इसकी मदद करें और उसकी जो दोनों छोटी बहनें पढ़ लिखकर कुछ बन सकें, ताकि उन्हें किसी के ऊपर निर्भर न रहना पड़े।

बुआ ने हथिया ली बच्चियों के हक की जमीन

दादी की मृत्यु हो जाने के बाद, इन तीनों बच्चियों के पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी बुआ किरण पटैल जुम्मेदारी ले ली थी लेकिन उक्त बच्चियों को लगभग 2 माह रखने के बाद घर से निकाल दिया है। एवं उक्त बच्चियों का जेबर गहना, बर्तन एवं अन्य सामग्री ले ली एवं इन बच्चियों के पिता के हक की जमीन भी किसी और को दे दी है। गुमता बताती है कि वह जमीन हम छह बहनों के नाम है जिसकी किसान सम्मन निधि की राशि हमारे खाते में आती है, लेकिन जमीन किसको दे दी यह आज तक पता नहीं ना ही वह कुछ बताती हैं। जमीन के कागज़ात भी हुआ के पास हैं और वह हमें नहीं देती।

इनका कहना है- आप जानकारी भेज दें मैं पता करवाता हूं, जो कुछ भी संभव मदद हो सकेगी वह दिलवाई जाएगी। ***राज ललन बागरी, एसडीएम दमोह***

बड़वानी क्षेत्रीय सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने सुनी मन की बात किया मारू समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

अशोक राठौर। सिटी चीफ बड़वानी, क्षेत्रीय सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने 25 फरवरी को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का सीधा प्रसारण ग्राम तलुन के समीपस्थ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में सुना। कार्यक्रम के पूर्व मारू समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन करने व राशि देने के लिए समाज जन ने सांसद पटेल का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के पश्चात भाजपा द्वारा चलाये जा रहे लाभार्थी सम्मेलन में शासन की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भेट की। सांसद पटेल ने स्वसहायता समूह की बहनों से भी मुलाकात की तथा उनके द्वारा वर्तमान में क्या कार्य किया जा रहा जानकारी ली ।सांसद पटेल ने कहा केंद्र व राज्य सरकार जनहित की अनेक योजनाएँ चला रही है जिसका सीधा लाभ हितग्राही को मिल रहा है ।सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास व सबका विश्वास के नारे को आज केंद्र की मोदी सरकार राज्य सरकार के साथ साथ जनता जनार्दन ने सार्थक किया है। कार्यक्रम में लाभार्थी सम्मेलन प्रभारी विक्रम चौहान भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र जाट सरपंच लोकेश नरगावे, संतोष जी नागोर,धुर्जी धनगर,दर्शन यादव,राजू राठौर, रमेश कन्नौज आदि भाजपा पदाधिकारी व समाज जन उपस्थित रहे ।

जिला सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज संगठन ने मनाई रविदास जयंती

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, संत शिरोमणि भगवान रविदास जी की 647 में जन्म जयंती पर जिला सूर्यवंशी अहिरवार जाटव समाज संगठन के अध्यक्ष भगवान दास चौधरी के साथ संगठन के समस्त सदस्य द्वारा दमोह नगर में सिविल वार्ड नंबर 6 सुभाष कॉलोनी में संत शिरोमणि की मूर्ति अनावरण मैं शामिल होकर एवं दमोह के ग्राम गोऊपुरा में एवं जटाशंकर धाम संत रविदास जी की गुफा में भगवान रविदास जयंती कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान रविदास की जयंती मनाई गई एवं एवं सभी सदस्यों द्वारा भोजन प्रसादी ग्रहण की गई जयंती में पारस चौधरी ,प्यारेलाल भारती , होतीलाल अहिरवार , मुन्नीलाल हेमराज, डॉ हीरालाल , के सी अहिरवार ,भूप सिंह संदीप चौधरी ,श्याम लाल अहिरवार मुकेश ,राजेंद्र ,बाबूलाल , बबलू मदन सुमन, पप्पू कसौटिया करण अहिरवार एवं गंगाराम अहिरवार द्वारा भगवान संत शिरोमणि रविदास की जयंती हर्षोल्लाह से मनाई गई आप सभी नगर वासियों को संत रविदास जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं.

जिला मुख्यालय पर धूम धाम के साथ मनाई गई सतगुरु संत रविदास जयंती जी की 647 वीं जन्म जयंती

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल दमोह, अंबेडकर चौक पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने की कही बात... विभिन्न वार्डों से पहुंचे जुलूषों का आयोजन समीति के सदस्यों ने किया सम्मान... दमोह प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सतगुरु संत रविदास जी की 647 वीं जन्म जयंती के अवसर पर शहर के रामकुमार स्कूल अंबेडकर चौक के पास संत रविदास जयंती समारोह समिति के बैनर तले कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व वित्त मंत्री व दमोह विधायक जयंत मलैया, पूर्व वेयर हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन के अध्यक्ष राहुल सिंह, पूर्व विधायक अजय टंडन, सहित विभिन्न अतिथियों ने सतगुरु संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम

का शुभारंभ किया गया। इसके बाद विभिन्न वक्ताओं ने मंच के माध्यम से सतगुरु संत रविदास जी के जीवनकाल पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा दैनिक जीवन, समाज सुधार, व्यक्तित्व, कर्तव्यों पर विचार व्यक्त किए जिससे भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा मिले साथ ही कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस दौरा शहर के हिरदेपुर, गौपुरा, मल्लपुरा, नया बाजार नंबर 4, बडापुरा, बजरिया वार्ड नंबर 8, चैनपुरा से पहुंचे जुलूस व झांकियों का आयोजन समिति के सदस्यों ने पुष्प वर्षा के साथ समिति के सदस्यों का फूल मालाओं एवं मेडल पहनाकर स्वागत किया। वहीं मंच पर मौजूद कलाकारों के द्वारा संत रविदास जी के जीवन पर आधारित भजनों की प्रस्तुति देते हुए। शानदार भजन प्रस्तुत किए जिसकी मौजूद लोगों ने जमकर सराहना की। अंत में कार्यक्रम में मौजूद समिति के सदस्यों का आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा मेडल पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं इस आयोजन में मुख्य रूप से मनु मिश्रा, रतनचंद जैन, नरेन्द्र दुबे, तेजीराम रोहित, प्रताप रोहित, झुन्नीलाल राही, बी डी बावरा, कार्यक्रम के अध्यक्ष सुनील आनंद, मोहन आदर्श, प्रताप रोहित, सुरेश माते, हेतराम आदर्श, टी.आर.जाटव, इंडियन कौंसिल ऑफ़ प्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धीरज कुमार,अशोक भारती, मोहनीश राव, हार्वेंद्र लड़िया, संजय रोहिताश, अजय बौद्ध, प्रीतम अहिरवार, तिलक राज, लखन राज, कल्पेश राज रामेश्वर चौधरी, मोहन आदर्श, धर्मेंद्र रोहित, एस एल अहिरवार, बी एल रोहित, मुकेश अहिरवार, कंचन रोहित, सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्यों की मौजूदगी रही। प्रेषक संत रविदास जयंती समारोह समिति।

अरबी पोशाक पहनने पर पाकिस्तानी लड़की को भीड़ ने घेरा, भरे बाजार में कुर्ती उतारने को कहा

इंटरनेशनल डेस्क- पाकिस्तान के लाहौर में एक महिला को अरबी भाषा में प्रिंट वाली पोशाक पहनने पर भीड़ द्वारा पुलिस हिरासत में ले लिया गया, जिसे लोगों ने कथित तौर पर कुरान की आयतें समझ लिया था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, एक स्थानीय पुलिसकर्मी को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि महिला और उसका पति खरीदारी करने गए थे, जब भीड़ ने उससे अपनी पहनी हुई शर्ट उतारने को कहा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखा जा सकता है की महिला को पाकिस्तान के किसी रेस्तरां में अपने हाथों से अपना चेहरा ढंकते हुए बैठे देखा गया. उसके बचाव में आई एक महिला पुलिस अधिकारी को भीड़ से किसी भी तरह की हिंसा न करने का आग्रह करते हुए उसे महिला पुलिस द्वारा वहां से हटाने में मदद की। पुलिसकर्मी की पहचान एएसपी सैयदा शहरबानो नकवी के रूप में की गई और पंजाब पुलिस ने घटना का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उस अधिकारी की सराहना की गई जो मौके पर मौजूद था और जिसने स्थिति को शांत करने की कोशिश की। उन्हें महिला को भीड़ से दूर ले जाते देखा जा सकता है। एक रेस्तरां में चेहरे पर हाथ रखकर बैठी महिला की एक क्लिप वायरल हो रही है इस दौरान उस लड़की को बाहर उग्र भीड़ ने भी घेर रखा है। वायरल हो रहे वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट किए। जिसमें एक ने लिखा, महिला लोगों से घिरी हुई थी क्योंकि उसके कलाईबंद पर अरबी में नाम थे, कुछ लोग कुरान की आयतें कह रहे हैं। वास्तव में, ऐसा नहीं है। यह सिर्फ सरल अरबी शब्द हैं, धर्म के संबंध में नहीं। यनय्नत्यु का अर्थ है सुंदर, यादृच्छिक अरबी शब्द है। उसी उपयोगकर्ता ने एक तस्वीर भी साझा की, जो कथित तौर पर उसी शर्ट की थी, जो एक इंस्टाग्राम पेज से ली गई थी। इंस्टाग्राम पेज shalik_riadh पर पोस्ट की गई तस्वीर का कैप्शन था, सबसे अच्छा रमज़ान 2022 कलेक्शन आ गया है। वहीं, जब महिला ने माफी मांगी तो उस वक्त वहां मौजूद एक मुस्लिम मौलवी ने कहा कि उसने दोबारा शर्ट न पहनने का वादा किया है।

इंडोनेशिया में 5.6 तीव्रता का भूकंप, जानमाल का नुकसान होने की खबर नहीं

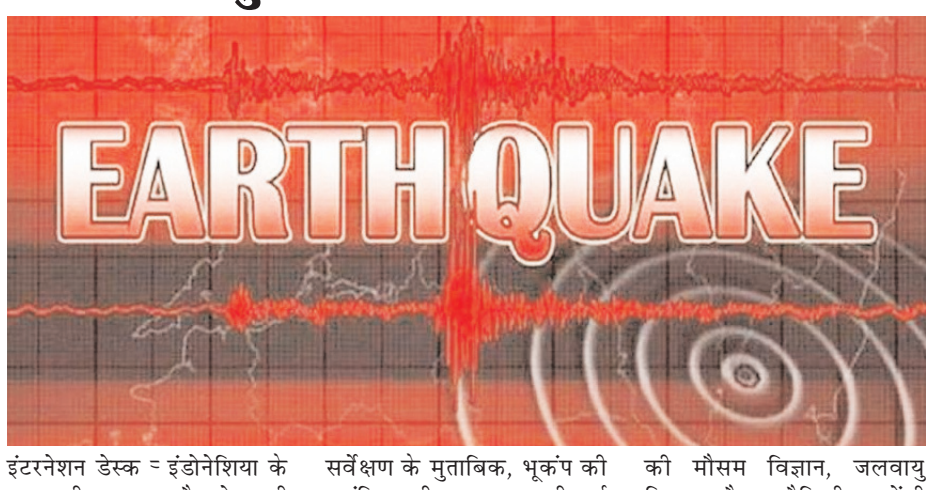

इंटरनेशन डेस्क - इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा और देश की राजधानी के कुछ हिस्सों में रविवार देर रात मध्यम तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। हालांकि, अबतक किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 5.6 मापी गई और इसका केंद्र सतह से 37.2 किलोमीटर (23.11 मील) नीचे था। भूकंप का केंद्र पश्चिम जावा प्रांत के तटीय शहर पेलाबुहानरातु से 80 किलोमीटर (29 मील) पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में था। वहीं, इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकीय एजेंसी ने इसकी प्रारंभिक तीव्रता 5.7 और सतह से 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर मापी। एजेंसी में भूकंप और सुनामी केंद्र के प्रमुख डारियोनो ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

ब्रिटेन की कश्मीरी पंडित प्रोफेसर को भारत आने से रोका गया, सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

नेशनल डेस्क - ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर यूनिवर्सिटी में भारतीय मूल की एक प्रोफेसर को बेंगलुरु हवाई अड्डे पर पहुंचने के उपरांत भारत में प्रवेश करने से रोक दिया गया और इसके बाद उन्हें वापस भेज दिया गया। प्रोफेसर को कर्नाटक सरकार ने एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पोस्ट में यह जानकारी दी। लंदन में रहने वाली कश्मीरी पंडित प्रोफेसर निताशा कौल ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में दावा किया कि उन्हें बेंगलुरु हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा कोई कारण नहीं बताया गया और भारत सरकार से पहले से कोई नोटिस या सूचना नहीं मिली कि उन्हें देश में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। कर्नाटक सरकार की ओर से इस पर तत्काल कोई बयान नहीं आया है। सरकार ने 24 और 25 फरवरी को दो दिवसीय संविधान और राष्ट्रीय एकता सम्मेलन -2024% का आयोजन किया था जिसमें कौल को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। सोशल मीडिया मंच पर कौल के परिचय में बताया गया है कि वह अन्य चीजों के अलावा एक उपन्यासकार, लेखिका और कवयित्री भी हैं। कौल ने कर्नाटक सरकार द्वारा उन्हें दिए गए निमंत्रण और अन्य सम्मेलन-संबंधित पत्रों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर बोलने के लिए भारत में प्रवेश से इनकार कर दिया गया है। मुझे कर्नाटक सरकार (कांग्रेस शासित राज्य) द्वारा सम्मानित प्रतिनिधि के रूप में एक सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था लेकिन केंद्र सरकार ने मुझे प्रवेश करने से मना कर दिया। मेरे सभी दस्तावेज और ब्रिटेन का मौजूदा पासपोर्ट आमंत्रित किया गया था। सोशल मीडिया मंच पर कौल के परिचय में बताया गया है कि वह अन्य चीजों के अलावा एक उपन्यासकार, लेखिका और कवयित्री भी हैं। कौल ने कर्नाटक सरकार द्वारा उन्हें दिए गए निमंत्रण और अन्य सम्मेलन-संबंधित पत्रों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर बोलने के लिए भारत में प्रवेश से इनकार कर दिया गया है। मुझे कर्नाटक सरकार (कांग्रेस शासित राज्य) द्वारा सम्मानित प्रतिनिधि के रूप में एक सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था लेकिन केंद्र सरकार ने मुझे प्रवेश करने से मना कर दिया। मेरे सभी दस्तावेज और ब्रिटेन का मौजूदा पासपोर्ट वैध हैं। कौल ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि अधिकारियों ने अनौपचारिक रूप से संकेत दिया है कि उन्हें भारत में प्रवेश से वंचित कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने अतीत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रोफेसर को भारत विरोधी तत्व और भारत तोड़ो ब्रिगेड का हिस्सा करार कर दिया। उसने कौल को निमंत्रण देने के लिए कर्नाटक सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की भी आलोचना की। भाजपा ने कौल को पाकिस्तानी समर्थक बताते हुए एक्स पर उनके कुछ लेखों के शीर्षक पोस्ट किए।

ब्रिटेन में केले के कंटेंनर से 4700 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

एक साथ 6 टन की खेप ले जा रहे थे तस्कर

नेशनल डेस्क- ब्रिटेन की नैशनल क्राइम एजेंसी एंड बॉर्डर फोर्स (एन.सी.ए.) ने साउथैम्पटन पोर्ट के एक केले के कंटेनर से करीब 6 टन कोकीन जब्त की है। अधिकारियों ने दावा किया है कि यह ब्रिटेन में अब तक की सबसे ज्यादा मात्रा में पकड़ी गई ए क्लास की ड्रग्स है। इंटनैशनल मार्केट में इसकी कीमत 4700 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। **जर्मनी के पोर्ट ऑफ हैमबर्ग जानी थी ड्रग की खेप** मीडिया रिपोर्ट में एन.सी.ए.के हवाले से कहा गया है कि इस गैरकानूनी ड्रग्स के ब्लॉक्स को जर्मनी के पोर्ट ऑफ हैमबर्ग तक ले जाया जा रहा था जहां से इसे आगे डिलिवरी के लिए जाना था लेकिन उससे पहले ही यह बीते 8 फरवरी को जब्त कर ली गई। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनके एजेंट यूरोपीय पार्टनर्स से साथ इस तस्करी के पीछे के आपराधिक नेटवर्क की पहचान करने के लिए व्यापक स्तर पर ऑपरेशन चला रही थी। यूरोप में केले के शिपमेंट में ड्रग्स की घटनाएं बढ़ीं ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि उन्हें केले की एक खेप में छिपा हुआ 12,500 पाउंड यानी 5.7 टन से अधिक कोकीन मिला है, जिसने देश में हार्ड ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एन.सी.ए. के निदेशक क्रिस फैरीमोंड ने एक बयान में कहा कि आपराधिक गिरोह ब्रिटेन के कोकीन बाजार से प्रतिवर्ष 5 अरब डॉलर से अधिक कमाते हैं, इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में संबंधित हिंसा में तेजी से वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि पूरे यूरोप में केले के शिपमेंट में ड्रग्स छिपाने की घटनाएं बढ़ी हैं। **पुलिस कुत्ते ने इटली में जब्त कराई थी 3 टन कोकीन** पिछले साल अगस्त में नीदरलैंड में सीमा शुल्क एजेंटों ने रॉटरडैम के बंदरगाह में केले के बक्से के अंदर छिपी हुई 17,600 पाउंड कोकीन जब्त की थी। उससे तीन महीने पहले एक पुलिस कुत्ते ने इटली के गियोइया टौरो बंदरगाह में केले के डिब्बे में छिपाकर रखे गए 3 टन कोकीन को सूंघ लिया था। यूरोपियन मॉनिटरिंग सेंटर फॉर ड्रग्स एंड ड्रग एडिक्शन द्वारा विश्लेषण किए गए आंकड़ों के अनुसार हाल के वर्षों में यूरोप में रिकॉर्ड मात्रा में कोकीन जब्त की गई है, जिसमें नीदरलैंड, स्पेन और बेल्जियम के बंदरगाहों पर 70 फीसदी से अधिक जब्ती हुई है। कोलंबिया दुनिया में पाई जाने वाली लगभग 60 फीसदी कोकीन का उत्पादन करता है।

ऋषि सुनक ने ब्रिटेन की राजनीति में 'जहरीली संस्कृति के प्रति किया आगाह

इंटरनेशनल डेस्क - ब्रिटिश सांसदों को इजराइल-गाजा संघर्ष के संबंध में हाउस ऑफ कॉमन्स में उनके मतदान के इरादों को लेकर सुरक्षा खतरों का सामना करने की खबरों के बीच प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने राजनीति में बढ़ती जहरीली संस्कृति के प्रति आगाह किया है। ब्रिटिश भारतीय नेता सुनक (43) ने आतंकवाद का महिमामंडन करने के लिए चरमपंथियों द्वारा देश की सड़कों पर विरोध प्रदर्शनों को 'हाइजैक करने की निंदा करते हुए शनिवार को एक बयान जारी किया। यह बयान तब जारी किया गया है जब 'द संडे टाइम्स अखबार में एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि तीन अज्ञात महिला सांसदों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बाद उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की अनुमति दी गयी है। सुनक ने अपने बयान में कहा, ''सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के बाद पूर्वाग्रह और यहूदी विरोधी भावना का प्रचंड प्रादुर्भाव अस्वीकार्य है। सीधे शब्दों में कहें तो यहूदी विरोधी भावना ही नस्लवाद है। उन्होंने हाल में वेस्टमिंस्टर महल पर एक आक्रामक 'प्रोजेक्शन (चित्रण) के संदर्भ में कहा, ''आतंकवाद को बढ़ावा देने और उसका महिमामंडन करने के लिए चरमपंथियों द्वारा वैध विरोध प्रदर्शनों को 'हाइजैक किया गया, निर्वाचित प्रतिनिधियों को मौखिक रूप से धमकाया गया तथा शारीरिक, हिंसक रूप से निशाना बनाया गया और हमारी अपनी संसद इमारत पर यहूदी विरोधी चित्रण किया गया। उन्होंने पिछले सप्ताह गाजा में संघर्षविराम पर संसद में मतदान के दौरान अराजक दृश्यों के संदर्भ में कहा, ''और इस सप्ताह संसद में बहुत खतरनाक संकेत दिया गया कि इस तरह की धमकी काम करती है। यह हमारे समाज और हमारी राजनीति के लिए जहरीली है और यह उन स्वतंत्रताओं व मूल्यों का अपमान है जिन्हें हम यहां ब्रिटेन में प्रिय मानते हैं। उन्होंने विशेष रूप से कोई उल्लेख नहीं किया लेकिन उनकी यह टिप्पणी सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव द्वारा पार्टी के सांसद ली एंडरसन को निलंबित करने के तुरंत बाद आयी है। एंडरसन ने एक साक्षात्कार में दावा किया कि पाकिस्तानी मूल के लंदन के मेयर सादिक खान ''इस्लामिक लोगों के नियंत्रण में थे। विपक्ष ने इन टिप्पणियों को लेकर कार्रवाई करने की मांग की थी। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने इन टिप्पणियों को ''नस्लवादी तथा इस्लाम से घृणा की भावना बताया।

भारत के किसान प्रदर्शनों पर दुनिया की नजर, ब्रिटिश संसद में भी गूंजा मुद्दा

लंदन- भारत में चुनावों से पहले भड़के किसान प्रदर्शन पर पूरी दुनिया की नजर है। इस बीच अब यह मुद्दा ब्रिटिश संसद में भी गूंजा। यूके की संसद में ब्रिटिश सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी ने किसानों के प्रदर्शन में युवक की मौत का मुद्दा उठाया। तनमनजीत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, सिख समुदाय और स्थानीय गुरुद्वारा कमेटियों ने मुझे गंभीर चिंता जताते हुए भारत में किसानों की सुरक्षा पर लिखा है। तनमनजीत सिंह के सवाल पर कंजर्वेटिव पार्टी की नेता पेनी मोर्डौंट ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, यह बेहद गंभीर मामला है। सरकार सुरक्षा के साथ प्रदर्शन करने के अधिकार का समर्थन करती है। विदेश कार्यालय ने उनके बयान को सुना है। मंत्री इनके ऑफिस को जल्द ही जवाब देंगे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने दावा किया कि खनौरी बॉर्डर पर गोली लगने से किसान युवक की मौत हुई और 15 घायल हुए हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारी लोगों के बीच अभी कोई रास्ता न नहीं निकल पाया है। इस बीच बुधवार को एक युवक की मौत ने पूरी स्थिति को जटिल बना दिया है। युवक की मौत गोली लगने से हुई है। किसान नेताओं का दावा है कि गोली सुरक्षा बलों की ओर से चलाई गई है। लेकिन पुलिस इसे नकार रही है। कल कथित तौर पर एक प्रदर्शनकारी की पुलिस गतिरोध में मौत हो गई। इसकी मौत का कारण गोली लगना है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ने इसकी पुष्टि की है। ट्विटर ने माना है कि भारत में उसे कुछ खास पोस्ट और अकाउंट हटाने को कहे गए। उन्होंने आगे सरकार से पूछा कि क्या वह किसानों के मानवाधिकारों का प्रोटेक्शन चाहती है और इसके लिए क्या कार्रवाई हुई है?

जब बिना ड्राइवर 84 किलोमीटर तक दौड़ती रही ट्रेन

पठानकोट। जम्मू-कश्मीर के कठुआ स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी बिना ड्राइवर के ही पटरी पर दौड़ने लग पड़ी। यह ट्रेन बिना ड्राइवर के करीब 84 किलोमीटर तक चलती रही। बिना ड्राइवर ट्रेन को चलती देख रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार यह घटना रविवार सुबह करीब 7.10 बजे हुई। ट्रेन ड्राइवर ने मालगाड़ी को कठुआ में रोका था, और खुद चाय पीने चला गया था। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने उतरने से पहले हेंडब्रेक नहीं लगाया था और ट्रेन का इंजन चालू था। इसी दौरान ट्रेन अचानक चल पड़ी और स्पीड पकड़कर पटरी पर दौड़ने लगी। दौड़ती ट्रेन को रोकने की कोशिश रेलवे अधिकारियों ने इस ट्रेन को पहले पठानकोट से पहले रोकने की कोशिश की मगर कोई कामयाबी नहीं मिली। एहतियात के तौर पर पठानकोट रेलवे स्टेशन पर लाइन को क्लीयर किया गया था। इसके अलावा पठानकोट की तरफ को जाने वाली सभी ट्रेनों को भी रोक दिया गया। दौड़ रहीं ट्रेन को मुकेरियां के पास रोकने की भी कोशिश की गई। यहां भी कोई सफलता नहीं मिली। फिर इसे डसूंगा से पहले रोकने की प्लानिंग तैयार हुई। बाद में कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेन को पंजाब के मुकेरियां में ऊंची बस्सी के पास रोका गया, लेकिन तब तक ट्रेन 84 किलोमीटर का सफर तय कर चुकी थी।

भाजपा मार्च के पहले सप्ताह में जारी कर सकती है 150 उम्मीदवारों की सूची

नेशनल डेस्क- देश में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी अखाड़े सज चुके हैं और माहौल पूरी तरह से गरमाया हुआ है। एक तरफ जहां विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक सीट बंटवारे की तरफ अग्रसर हो रहा है वहीं भाजपा ने भी अपने उम्मीदवारों को चुनावी जंग में उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसी हलचल में 29 फरवरी को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की होने वाली बैठक के बाद पार्टी जल्द ही अपने पहले 150 उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। पहली लिस्ट में पी.एम. मोदी सहित हो सकते है ये दिग्गज रिपोर्ट के अनुसार पहली लिस्ट में वाराणसी से पी.एम.नरेंद्र मोदी, गांधीनगर से गृह मंत्री अमित शाह, लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागपुर से परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नाम हो सकता है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि कि पश्चिमी दिल्ली से परवेश वर्मा, उत्तर पश्चिम दिल्ली से मनोज तिवारी और दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधुड़ी को भी पहली सूची में जगह दी जा सकती है। उम्मीद की जा रही है कि पार्टी उन सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती हैं जिन पर उसकी या तो मजबूत पकड़ है या फिर जहां वो अपनी स्थिति और बेहतर कर सकती है। पार्टी के नेताओं को दिए है खास दिशा निर्देश बताया जा रहा है कि 150 उम्मीदवारों के नामों का फैसला करने वाली 29 फरवरी की केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक से पहले बीते शनिवार को भाजपा मुख्यालय में इसकी तैयारी को लेकर एक बैठक हुई थी।इसमें भजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेताओं के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल से भाजपा के मुख्य नेता शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि इस बैठक में चुनावों की तैयारी को लेकर अहम चर्चा हुई है और पार्टी के नेताओं को खास दिशा निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569